website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 223 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 22 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

केन्द्र सरकार आपदा के समय बिना किसी भेदभाव के राज्यों के साथ मजबूती से खड़ी है- अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में यह महसूस किया गया कि हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, अचानक बाढ़, भूस्खलन और मूसलाधार वर्षा की आवृत्ति और तीव्रता में वृद्धि हुई है, जिससे राज्य में व्यापक जनहानि, बुनियादी ढाँचे और आजीविका को नुकसान और पर्यावरण क्षरण हुआ है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तुरंत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA), केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (CBRI) रुड़की, भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) पुणे, भूविज्ञानी और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) इंदौर के विशेषज्ञों की एक बहु-क्षेत्रीय केंद्रीय टीम गठित करने का आदेश दिया।

इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून 2025 के दौरान बाढ़, अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के मद्देनजर, केंद्र सरकार ने उनके ज्ञापन का इंतज़ार किए बिना ही, नुकसान का प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए एक अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल (IMCT) को पहले ही भेज दिया है। यह अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दल 18-21 जुलाई 2025 तक राज्य के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, केंद्र सरकार आपदाओं के समय बिना किसी भेदभाव के राज्यों के साथ मजबूती से खड़ी है। इसी दिशा में, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति ने वर्ष 2023 के लिए बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिये हिमाचल प्रदेश को ₹2006.40 करोड़ के परिव्यय को पहले ही मंजूरी दे दी है और 7 जुलाई 2025 को 451.44 करोड़ रुपये की पहली किस्त भी जारी कर दी है।

इसके अलावा, राज्य के प्रभावित लोगों की सहायता के लिए, केंद्र सरकार ने तत्काल राहत उपायों के लिए 18 जून 2025 को राज्य आपदा मोचन निधि (SDRF) से हिमाचल प्रदेश को 198.80 करोड़ रुपये की केंद्रीय हिस्सेदारी की पहली किस्त पहले ही जारी कर दी है। केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश सहित सभी राज्यों को आवश्यक राष्ट्रीय आपदा मोचन बाल (NDRF) टीमें, सेना टीमें और वायु सेना की तैनाती सहित सभी प्रकार की रसद (logistic) सहायता भी प्रदान की है। राज्य में बचाव और राहत कार्यों के लिए NDRF की कुल 13 टीमें तैनात हैं।

राजस्थान यूनिवर्सिटी के उर्दू विभाग के बुरे हाल, सालों तक नहीं उर्दू पी एच डी की सीट्स

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश की सबसे बड़ी यूनिवर्सिटी में उर्दू विभाग के हालात खराब। राजस्थान यूनिवर्सिटी में उर्दू विभाग जो किसी ज़माने में उर्दू का जाना माना केंद्र माना जाता था आज यूनिवर्सिटी प्रशासन की लापरवाही से ख़ाली होता जा रहा है। हर साल उर्दू विभाग में रेगुलर एडमिशन के लिए जहाँ और विभागों की तरह प्रवेश परीक्षा होती थी लेकिन इस बार सिर्फ़ मेरिट बेस पर एडमिशन लेने की नोबत आ गई।

इसकी वजह है उर्दू का गिरता स्तर और यूनिवर्सिटी प्रशासन की लापरवाही। एक रिपोर्ट के अनुसार उर्दू विभाग , राजस्थान कॉलेज , महारानी कॉलेज में सिर्फ़ एक ही स्थायी असिस्टेंट प्रोफेसर हैं , बाक़ी सब गेस्ट फैकल्टी से चल रहा है। यहाँ तक की पिछले साल एचओडी प्रोफेसर नसीरा बसरी के रिटायरमेंट के बाद संस्कृत विभाग के एचओडी राम सिंह चोहान को उर्दू विभाग का एचओडी बनाया गया। उर्दू विभाग के पास खुदका कोई प्रोफ़ेसर नहीं। जो एक असिस्टेंट प्रोफेसर हैं मुकेश बैरवा है। उनकी खुदकी अभी पीएचडी चल रही है और यूजीसी के अनुसार अनुभव की भी कमी है। इन तमाम कारणों से आज उर्दू विभाग का स्तर गिर गया। कोई पी एच डी की सीट्स नहीं। छात्र काफ़ी सालों से इंतज़ार में हैं और आगे भी यह इंतज़ार कम होता नज़र नहीं आ रहा। कब यहाँ सरकार और यूनिवर्सिटी प्रशासन की तरफ़ से प्रोफ़ेसर की भर्ती होगी ? कब वह यहाँ पीएचडी करा पाएंगे ? यह सवाल उर्दू के छात्रों को काफ़ी सोचने पर मजबूर कर रहा है।

सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ करें बचाव, राहत कार्य - भजनलाल शर्मा

-मुख्यमंत्री ने भारी बारिश एवं जलभराव की स्थिति की समीक्षा की

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश के कारण उत्पन्न परिस्थितियों, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में जलभराव और नदियों तथा बांधों के जलस्तर में हुई वृद्धि के संबंध में रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर उच्चस्तरीय समीक्षा की। उन्होंने प्रशासन को नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्चे प्राथमिकता देते हुए प्रभावित क्षेत्रों में सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ बचाव और राहत कार्यों के लिए निर्देशित किया।

शर्मा ने कहा कि बारिश से उत्पन्न स्थितियों के मद्देनजर अधिकारी अलर्ट मोड पर कार्य करते हुए त्वरित कार्यवाही करें। नदियों, तालाबों और जलाशयों के जल स्तर संबधी अपडेट लेते हुए निचले और बाढ़ संभावित इलाकों में सतत निगरानी रखी जाए। एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस और होमगॉर्ड्स के दल पर्याप्त संसाधनों के साथ अलर्ट रहें। उन्होंने प्रत्येक जिले में कंट्रोल रूम को प्रभावी रूप से संचालित करते हुए हेल्पलाइन नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के लिए भी निर्देशित किया।

हरियालो राजस्थान के तहत होगा सघन पौधारोपण—

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से राज्य सरकार ने 'एक पेड़ मां के नाम' एवं 'हरियालो राजस्थान' अभियान के अन्तर्गत गत वर्ष 7 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया था। हमनें इस मानसून सीजन में भी 'हरियालो राजस्थान' के तहत 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है। इसकी प्राप्ति हेतु पौधारोपण के लिए उपयुक्त स्थानों का चिन्हीकरण भी सुनिश्चित किया जाए। इस अभियान में शिक्षा, चिकित्सा, पंचायतीराज, वन विभाग सहित विभिन्न विभागों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए आमजन को अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जाए।

क्षतिग्रस्त बांधों और नहरों की स्थिति की लगातार करें निगरानी —

मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि से प्रभावित आमजन और पशुधन को सुरक्षित जगहों पर स्थानांतरित करने के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता और सेवाओं को सुचारू रखा जाए। जलभराव क्षेत्रों में प्रभावित लोगों को पेयजल-खाद्य सामग्री सहित जरूरी वस्तुओं की कमी नहीं होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और विद्युत आपूर्ति सुचारू करने के लिए भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि क्षतिग्रस्त बांधों और नहरों की स्थिति की लगातार निगरानी करते हुए आवश्यक मरम्मत संबंधी कार्य करवाएं जाएं।

राहत व बचाव संबंधी जानकारी आमजन तक पहुंचाएं—

शर्मा ने जिला कलक्टरों को निर्देश दिए कि बाढ़ग्रस्त मार्गों, पुलों और नदी-नालों जैसे स्थानों पर चेतावनी संबंधी बोर्ड लगाए जाएं तथा आपदा प्रबंधन हेतु जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे राहत व बचाव कार्यों संबंधित जानकारी आमजन तक पहुंचाएं। साथ ही, विद्यार्थियों की सुरक्षा हेतु आवश्यकतानुसार निर्णय लें।

शेष पृष्ठ 2 पर....

असम सरकार की नीतियां अल्पसंख्यक विरोधी – डॉ. शाहबुद्दीन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। एसडीपीआई (SDPI) के उपाध्यक्ष डॉ. शाहबुद्दीन ने आज असम में चल रही ताजा घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए राज्य सरकार की नीतियों को एकतरफा और अल्पसंख्यक विरोधी बताया है। डॉ. शाहबुद्दीन ने कहा कि असम में जिस तरह से नागरिकों को बार-बार एनआरसी, डिटेंशन सेंटर, और कथित अतिक्रमण जैसे बहानों पर मानसिक व सामाजिक उत्पीड़न झेलना पड़ रहा है, वह पूरी तरह संविधान के मूल अधिकारों का उल्लंघन है। यह न केवल मानवाधिकारों का हनन है, बल्कि देश की एकता और भाईचारे को तोड़ने की साजिश भी है। उन्होंने कहा, "एसडीपीआई असम की जनता के साथ खड़ी है, खासकर उन गरीब, मजदूर और अल्पसंख्यक परिवारों के साथ जिन्हें बार-बार शंका के घेरे में डालकर उनके अस्तित्व पर सवाल खड़ा किया जा रहा है।"

डॉ. शाहबुद्दीन ने मांग की कि:

राज्य में हो रही बेदखली की कार्रवाइयों को तुरंत रोका जाए।
असम में सभी नागरिकों को संवैधानिक सुरक्षा प्रदान की जाए।
मानवाधिकार संगठनों और न्यायपालिका की निगरानी में निष्पक्ष जांच करवाई जाए।
अल्पसंख्यकों को राजनीतिक रूप से निशाना बनाना बंद किया जाए।
उन्होंने सभी सामाजिक और जन संगठनों से अपील की कि वे एकजुट होकर असम के पीड़ितों के साथ खड़े हों और लोकतंत्र की रक्षा करें।

डिजिटल अरेस्ट का जाल: साइबर ठगों से कैसे बचें

-राजस्थान पुलिस ने जारी की चेतावनी: CBI/ED अधिकारी बन ठग रहे अपराधी, रहें सावधान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। साइबर अपराधों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है और अपराधी अब लोगों को ठगने के लिए नए-नए पैंतरे अपना रहे हैं। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने डिजिटल अरेस्ट नामक एक धोखाधड़ी के संबंध में एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। इस तरीके में अपराधी खुद को सीबीआई, मुंबई पुलिस, कस्टम, आयकर विभाग या प्रवर्तन निदेशालय (ED) के अधिकारी बताकर लोगों को वीडियो कॉल पर डराते हैं और उन्हें गंभीर अपराधों में फंसाने की धमकी देकर उनके बैंक खातों से पैसे ऐंठ लेते हैं।

क्या है 'डिजिटल अरेस्ट'

एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी पीड़ितों को वीडियो कॉल करते हैं और वर्दी व फर्जी वारंट दिखाकर उन्हें धमकाते हैं। वे दावा करते हैं कि पीड़ित के बच्चों या परिवार ने ड्रग्स, रेप जैसे अपराध किए हैं, उनके मोबाइल नंबर का उपयोग देश विरोधी गतिविधियों में हुआ है, या उनके बैंक खातों में मनी लॉन्ड्रिंग या देश विरोधी गतिविधियों से संबंधित बड़ी रकम जमा है। साइबर अपराधी पीड़ितों को धमकाकर कहते हैं पुलिस वेरिफिकेशन के लिए उन्हें अपने सभी बैंक खाते, फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) और अन्य निवेश की पूरी धनराशि उनके बताए गए बैंक खातों में ट्रांसफर करनी होगी। वे यह भी आश्वासन देते हैं कि वेरिफिकेशन सही पाए जाने पर पैसे वापस कर दिए जाएंगे। अपराधी पीड़ितों को तब तक वीडियो कॉल पर ही रहने के लिए मजबूर करते हैं जब तक वेरिफिकेशन पूरा न हो जाए और उन्हें किसी अन्य व्यक्ति या पुलिस को इसकी सूचना न देने की धमकी देते हैं। डर के मारे लोग पीड़ित अक्सर इन अपराधियों के बताए गए यूपीआई या बैंक खातों में बड़ी रकम ट्रांसफर कर देते हैं। राजस्थान पुलिस ने इस तरह की धोखाधड़ी से बचने के लिए अत्यंत सावधानी बरतने का आग्रह किया है:

1. पुलिस या कोई भी सरकारी विभाग कभी भी वीडियो कॉल पर किसी को गिरफ्तार करने या अपराध में संलिप्तता की धमकी नहीं देता है। यह एक स्पष्ट संकेत है कि आप ठगी का शिकार हो रहे हैं।
2. इस तरह की किसी भी वीडियो कॉल पर कभी भी किसी अन्य खाते में धनराशि ट्रांसफर न करें। सरकारी एजेंसियां कभी भी सत्यापन के नाम पर आपसे पैसे ट्रांसफर करने को नहीं कहेंगी।

अगर आप ऐसी घटना का शिकार होते हैं तो क्या करें

तत्काल अपने निकटतम पुलिस स्टेशन या साइबर पुलिस स्टेशन में संपर्क करें।

साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल https://cybercrime.gov.in पर अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज कराएं।

साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके सहायता प्राप्त करें। आप साइबर हेल्पडेस्क नंबर 9256001930 या 9257510100 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

एसपी सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी लगातार अपने तरीकों में बदलाव कर रहे हैं। सतर्क रहें, जागरूक रहें, और अपनी व्यक्तिगत व वित्तीय जानकारी को सुरक्षित रखें। आपकी सावधानी ही आपको इन धोखेबाजों से बचा सकती है।

दिल्ली हाईकोर्ट को मिले 6 नए जज

- मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट में सोमवार 21 जुलाई को 6 नए न्यायाधीशों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। इन सभी जजों को दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण करने वाले न्यायाधीशों में वी. कामेश्वर राव, नितिन वासुदेव साम्ब्रे, विवेक चौधरी, अनिल क्षेत्रपाल, अरुण मोंगा और ओम प्रकाश शुक्ला शामिल हैं। ये सभी सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश और केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद अन्य हाईकोर्टों से दिल्ली हाईकोर्ट में स्थानांतरित किए गए हैं। इन नई नियुक्तियों के बाद दिल्ली हाईकोर्ट में कार्यरत जजों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है, जबकि स्वीकृत कुल पद 60 हैं।

इनमें सबसे प्रमुख नाम वी. कामेश्वर राव का है, जो पहले भी दिल्ली हाईकोर्ट के जज रह चुके हैं। उन्हें अप्रैल 2013 में अतिरिक्त जज और मार्च 2015 में स्थायी जज नियुक्त किया गया था। मई 2024 में वे कर्नाटक हाईकोर्ट गए थे और अब फिर से अपने मूल कोर्ट दिल्ली लौटे हैं। वहीं नितिन वासुदेव साम्ब्रे बॉम्बे हाईकोर्ट से आए हैं। उन्होंने 1992 में नागपुर यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री ली और उसी वर्ष वकालत शुरू की। जनवरी 2014 में वे बॉम्बे हाईकोर्ट के जज नियुक्त हुए।

न्यायमूर्ति विवेक चौधरी ने 1988 में मेरठ यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की और उसी साल एडवोकेट के रूप में नामांकन कराया। फरवरी 2017 में उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट का अतिरिक्त जज बनाया गया और मार्च 2018 में वे स्थायी जज बने। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट से स्थानांतरित होकर आए हैं। उन्होंने 1988 में चंडीगढ़ में वकालत शुरू की और 2014 में सीनियर एडवोकेट बने। जुलाई 2017 में उन्हें अतिरिक्त जज नियुक्त किया गया था।

अरुण मोंगा ने पंजाब यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री ली और 1991 में वकालत शुरू की। बाद में 1997-98 में वे दिल्ली आए। अक्टूबर 2018 में वे पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट में जज बने और नवंबर 2023 में राजस्थान हाईकोर्ट भेजे गए थे। अब वे दिल्ली हाईकोर्ट में स्थानांतरित हुए हैं। ओम प्रकाश शुक्ला ने लखनऊ यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की और 2003 में उत्तर प्रदेश बार काउंसिल में नामांकन कराया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट, इलाहाबाद और दिल्ली हाईकोर्ट में वकालत की। अगस्त 2022 में वे इलाहाबाद हाईकोर्ट में अतिरिक्त जज बने और मार्च 2024 में स्थायी जज नियुक्त हुए।

इन नियुक्तियों से दिल्ली हाईकोर्ट की कार्यक्षमता में बढ़ोतरी की उम्मीद है, क्योंकि हाईकोर्ट में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नए जजों की मौजूदगी न्याय प्रक्रिया को तेज करने में सहायक होगी।

दिल्ली विधानसभा ने नेवा ट्रेनिंग सेंटर स्थापित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा का इस बार का मानसून सत्र पूरी तरह पेपरलेस होगा। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सोमवार को विधानसभा परिसर में नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) ट्रेनिंग सेंटर का उद्घाटन किया। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम 21 से 23 जुलाई तक चलेगा, जिसमें सभी विधायकों को नेवा के उपयोग की ट्रेनिंग दी जाएगी।

विजेंद्र गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि नेवा के जरिए विधानसभा की कार्यवाही को कागज रहित बनाया जाएगा। उन्होंने बताया, "21, 22 और 23 जुलाई को दो बैचों में विधायकों को ट्रेनिंग दी जाएगी। यह कदम विधायी प्रक्रिया को आधुनिक और पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।"

उन्होंने बताया कि नेवा के माध्यम से विधायकों को सवाल-जवाब, बिल पेश करने और चर्चा करने की प्रक्रिया सिखाई जाएगी। संसदीय कार्य मंत्रालय के विशेषज्ञ प्रशिक्षक इस ट्रेनिंग को संचालित करेंगे।

विजेंद्र गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वन नेशन, वन एप्लिकेशन' के सपने का जिक्र करते हुए कहा, "दिल्ली विधानसभा ने 100 दिनों में नेवा को लागू कर एक मिसाल कायम की है। विधानसभा को सोलर ऊर्जा से युक्त करने का काम भी लगभग पूरा हो चुका है। आने वाले दिनों में यह विधानसभा पेपरलेस और सोलर ऊर्जा से संचालित होगी।"

उन्होंने कहा, "मुझे भी ट्रेनिंग लेनी है। सभी विधायकों को इस नई तकनीक को अपनाने के लिए तैयार होना होगा। इस विधायी प्रक्रिया में तेजी आएगी और हम दिल्ली की जनता के हित के लिए कदम जल्दी से उठा पाएंगे। अब इस दिशा में सभी विधायकों को कमर कस लेने की जरूरत है।"

गौरतलब हो, पेपरलेस विधानसभा का मतलब है कि विधानसभा की कार्यवाही को पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संचालित किया जाता है, जिसमें कागज का उपयोग न्यूनतम या शून्य होता है। नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन (नेवा) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए विधायी प्रक्रियाएं, जैसे बिल पेश करना, सवाल-जवाब, चर्चा और दस्तावेज साझा करना, इलेक्ट्रॉनिक रूप से होती हैं। इससे समय और संसाधनों की बचत होती है, साथ ही पर्यावरण का संरक्षण भी होता है, साथ ही कार्यवाही अधिक पारदर्शी और तेज होती है। दिल्ली विधानसभा इस दिशा में नेवा के उपयोग से पेपरलेस बन रही है।

इमाम रब्बानी स्कूल में टॉपर्स को लैपटॉप्स व नगद पुरस्कार से किया गया सम्मानित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। इमाम रब्बानी सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल में मंगलवार को वार्षिक उपलब्धि समारोह का भव्य आयोजन हुआ। इस मौके पर शिक्षा और व्यक्तित्व विकास से जुड़ी उपलब्धियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पधारे सांसद इमरान मसूद ने छात्रों को शिक्षा की अहमियत बताते हुए उन्हें नए दौर के लिए प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि शिक्षाविद सीएम फैज़ मोहम्मद ने स्कूल के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को नए हौसले के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी। कार्यक्रम की शुरुआत कुरआन पाक की तिलावत और नात शरीफ से हुई। "Unity in Diversity" पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीत लिया। नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के टॉपर्स को मंच पर सम्मानित किया गया। टॉपर्स को विशेष इनाम दिए गए — प्रथम स्थान पर रहे छात्र को लैपटॉप, द्वितीय को ₹11,000 और तृतीय स्थान पर ₹5,100 की राशि प्रदान की गई। शिक्षकों को भी बेहतरीन परिणाम के लिए पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर स्कूल के चेयरमैन मौलाना फजलुर्रहीम मुजद्दिदी ने घोषणा की कि अब से स्कूल में स्किल डेवलपमेंट क्लासेस की शुरुआत होगी, जिसमें कम्युनिकेशन, क्रिएटिविटी, एंटरप्रेन्योरशिप और स्व-रोजगार जैसे कौशल सिखाए जाएंगे। यह आयोजन केवल एक समारोह नहीं, बल्कि शिक्षा और कौशल के उज्ज्वल भविष्य का उत्सव था।

करमोदा में वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान का आयोजन

-महिलाओं को बैंकिंग योजनाओं और स्वरोजगार के लिए किया गया प्रेरित

शादाब अली

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत करमोदा में राजीविका समूह की महिलाओं के लिए वित्तीय समावेशन संतृप्ति शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न बैंकिंग एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी ग्रामीण स्तर तक पहुंचाकर सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से लाभान्वित करना रहा। शिविर में जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक प्रदीप कुमार ने महिलाओं को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना सहित अन्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए उनके परिवारजनों को भी इनसे जोड़ने का आह्वान किया। बैंक ऑफ बड़ौदा सूरवाल शाखा की शाखा प्रबंधक रमता बाजपई ने मुद्रा योजना, अटल पेंशन योजना एवं सुकन्या समृद्धि योजना की जानकारी दी और महिलाओं को भविष्य के लिए वित्तीय रूप से सशक्त बनने हेतु

प्रेरित किया। इस अवसर पर बड़ौदा आर.सेटी. के निदेशक नीरज गोपालिया ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आरसेटी के माध्यम से उपलब्ध निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उन्हें स्वरोजगार से जुड़कर आजीविका में वृद्धि करने हेतु प्रोत्साहित किया। शिविर के दौरान उपस्थित महिलाओं को वित्तीय साक्षरता, डिजिटल लेन-देन, साइबर सुरक्षा, बैंकिंग सुरक्षा योजनाओं तथा बीमा, ई-केवाईसी, अटल पेंशन योजना जैसी सेवाओं से मौके पर ही जोड़ा गया। इस अभियान के तहत ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से जागरूक एवं आत्म-निर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी कार्य किया जा रहा है। राजीविका से स्टेट रिसोर्स पर्सन डॉ. मदन सिंह शेखावत, आरसेटी फैकल्टी लोकेश जांगिड़ तथा बैंक ऑफ बड़ौदा के बीसी सुपरवाइजर सहित अन्य बैंक प्रतिनिधि भी शिविर में उपस्थित रहे।

पूर्व डीजीपी मेहरड़ा का बलाई विकास समिति ने किया सम्मान

-पौधारोपण एवं वर्ष 2024-25 में सेवानिवृत कार्मिकों के सम्मान समारोह के लिए दिया निमंत्रण

एहसान पठान

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। शहर के ग्राम लोहरवाडा मोड़ पर शनिवार को बलाई विकास समिति, जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) एवं ग्राम इकाई लोहरवाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में सीकर जाते समय सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक राजस्थान एवं महानिदेशक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राजस्थान के डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा का माला, साफा, पंचशील का दुपट्टा पहनाकर एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुस्तक भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही आगामी 3 अगस्त को लोहरवाड़ा ग्राम में स्थित तंवर कृषि फार्म हाउस में होने वाले पौधारोपण एवं वर्ष 2024-25 में सेवानिवृत अधिकारी व कर्मचारियों के सम्मान समारोह में आने के लिए निमंत्रण दिया। इस दौरान डॉ. मेहरडा ने समाज को संबोधित करते हुए कहा कि "समाज मिशन से महिलाओं को

भी जोड़ना चाहिए।"

इस मौके पर समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार, महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, कोषाध्यक्ष घनश्याम कांदेल, उपाध्यक्ष एडवोकेट राधेश्याम बुनकर, सचिव राजेंद्र प्रसाद काला, प्रहलाद राय जाटावत, संगठन सचिव मुकेश कुमार कालोया, ग्राम इकाई अध्यक्ष गोपाल लाल तंवर, एडवोकेट राजेंद्र कुमार बुनकर, प्रशासक मनोहर लाल सरावता, समिति के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट धर्मेंद्र कुमार घसिया, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्षा चंद्रकला नागौरी, नरेंद्र तंवर, जितेंद्र सरावता, सुरेश फौजी, योगेश तंवर, मुकेश, पूरणमल, टोनी, राजू ठेकेदार, नंदकिशोर, सुरेश राय आदि समाजबंधु मौजूद रहे।

युवाओं को मिलेगी 26 हजार सरकारी नौकरियां

-मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की युवाओं को बड़ी सौगात

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से अधिकाधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए तत्परता के साथ कार्य कर रही है। इसी क्रम में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं को 26 हजार से अधिक पदों पर सरकारी भर्तियों की विशेष सौगात दी है। जिसके तहत गुरुवार (17 जुलाई) को एक ही दिन में विभिन्न विभागों में भर्तियों के नोटिफिकेशन जारी किए गए।

3225 प्राध्यापक, 6500 वरिष्ठ अध्यापक व 1015 उप निरीक्षक की भर्ती विज्ञप्ति जारी

इसके अन्तर्गत शिक्षा (माध्यमिक) विभाग में विभिन्न विषयों के प्राध्यापक के 3 हजार 225 पदों, वरिष्ठ अध्यापकों के 6 हजार 500 पदों पर भर्तियों की विज्ञप्तियां जारी की गई हैं। वहीं, संस्कृत शिक्षा विभाग के अध्यापक लेवल-1 एवं लेवल-2 के 2 हजार 759 पदों एवं प्रारम्भिक शिक्षा के अध्यापक लेवल-1 के 5 हजार पर भर्ती की जाएगी। इसके साथ ही, गृह विभाग में उप निरीक्षक के 1 हजार 15 पदों पर भर्ती होगी जिसमें उप निरीक्षक (एपी) के 896, उप निरीक्षक (एपी) सहरिया के 4, उप निरीक्षक (एपी) अनुसूचित क्षेत्र के 25 एवं उप निरीक्षक (आईबी) के 26 एवं प्लाटून कमाण्डर (एसआई) के 64 पद शामिल हैं। इसी तरह गृह रक्षा विभाग में प्लाटून कमाण्डर के 84 पदों पर भी भर्ती विज्ञापन जारी किया गया हैं।

पशु चिकित्सा अधिकारी के 1100, सहायक अभियंता-कृषि के 281 पदों पर होगी भर्ती—

इसी तरह, कृषि विभाग में सहायक अभियंता के 281 पद एवं कृषि पर्यवेक्षक के 1100 पद और पशुपालन विभाग में पशु चिकित्सा अधिकारी के 1100 पदों पर भर्ती के विज्ञापन जारी किए गए हैं। वन विभाग में वनपाल, वनरक्षक एवं सर्वेयर के कुल 785 पदों, ऊर्जा विभाग में 2 हजार 163 एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के 1 हजार 50 विविध पदों पर भर्ती विज्ञप्ति जारी की गई। इसके अतिरिक्त, आयुर्वेद विभाग के आयुष अधिकारी (संविदा) के 1 हजार 535 पदों पर भर्ती भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को जयपुर के दादिया में आयोजित 'सहकार एवं रोजगार उत्सव' में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में 8 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए। राज्य सरकार द्वारा अब तक 75 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं और वर्ष 2025 में 81 हजार से अधिक पदों पर भर्ती का कैलेंडर जारी किया जा चुका है। इसी प्रकार राजस्थान लोक सेवा आयोग के कामकाज को और अधिक सुचारू बनाने के लिए इसमें सदस्यों की संख्या 7 से बढ़ाकर 10 कर दी गई है।

मानव जन जागृति संस्थान के पंचम स्थापना दिवस पर स्मारिका विमोचन समारोह सम्पन्न

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। शहर के एक निजी होटल में मानव जन जागृति संस्थान का पंचम स्थापना दिवस एवं स्मारिका विमोचन समारोह सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत पुलिस महानिदेशक राजस्थान व भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि जरूरी नही बडे पद वाले व्यक्ति ही समाजसेवा कर सकते है, निम्न व्यक्ति भी समाज सेवा कर सकते है। जो व्यक्ति जितना सक्षम है, वह व्यक्ति समाज को कुछ दे सकता है। अध्यक्षता कर रहे भाजपा प्रवक्ता व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने संस्थान द्वारा किए कार्यों की सराहना की। विशिष्ठ अतिथि समाजसेवी मामचंद रायपुरिया ने कहा कि व्यक्ति नशा बंद करने की शुरूआत स्वंय से करेगें तो निश्चित रूप से परिवार में बच्चें भी नशे से दूर रहेगें। रायपुरिया द्वारा 5 हजार स्मारिका प्रिंट कराकर एवं 51 हजार रूपये का नगद आर्थिक सहयोग संस्थान को संप्रेम भेंट किया। विशिष्ठ अतिथि सेवानिवृत आईपीएस जीसी राय, शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूजा छाबड़ा, सेवानिवृत सीआरपीएफ कंमाडेड के एम बुनकर, साईबर क्राईम के पुलिस उपाधिक्षक सोनचंद लाडना, समाजसेविका कविता वर्मा, प्रधानाचार्य व संस्थान के महासचिव मनराज कांटीवाल ने भी अपने विचार

व्यक्त किए। इससे पूर्व अतिथि द्वारा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर व महात्मा बुद्ध के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सभी अतिथियों द्वारा संस्थान का पंचम स्थापना दिवस एवं स्मारिका विमोचन किया गया। संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सौदागर कांदेला एवं संस्था के पदाधिकारियों द्वारा आए हुए अतिथियों का माला, साफा एवं गमला युक्त पौधा देकर सम्मानित किया।

प्रदेशाध्यक्ष सौदागर कांदेला ने बताया कि सत्र 2024-25 में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाले रघुनाथ पाटोदिया को प्रथम, मनराज कांटीवाल को द्वितीय व गजानंद परिहार को तृतीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

मंच संचालन प्राचार्य डॉ. कैलाशचंद्र मोरदिया व प्रधानाचार्य कालूराम बुनकर ने संयुक्त रूप से किया।

इस दौरान कोषाध्यक्ष मुकेश जिंदल, नेमीचंद पंवार, रामनिवास पालीवाल, गोपाललाल सोगण, बाबूलाल बुनकर, हरिनारायण लाखीवाल, गोपाललाल कांदेल, गुल्लाराम फौजी, भंवरलाल सरावता, घनश्याम कांदेल, एडवोकेट मनोहर परिहार, कमलेश शर्मा, सरपंच पवन वर्मा, अशोक बबेरवाल, सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, कजोडमल तडदिया, राजेश सोगण, गोपाल देवठिया, राजेश कांदेल, सियाराम बुनकर, दीपक वर्मा, नरेश रोजड़ा, शंकरलाल बुनकर, अंजली वर्मा, दिव्या कांदेला आदि मौजूद रहे।

पर्यटन विभाग के प्रमुख शासन सचिव ने अल्बर्ट हॉल, हवामहल और जन्तर मन्तर का किया निरीक्षण

-राजस्थान की शानदार कला, संस्कृति और ऐतिहासिक महत्व की पुरा कलाकृतियों का हो संरक्षण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति, पुरातत्व एवं संग्रहालय राजेश यादव ने शुक्रवार को जयपुर के प्रमुख पर्यटन स्थल अल्बर्ट हॉल, हवामहल और जन्तर मन्तर का निरीक्षण किया। इस दौरान पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़, पुरातत्व एवं संग्राहलय निदेशक पंकज धरेन्द्र,अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण प्रतिभा डोटासरा, अतिरिक्त निदेशक (विकास), पर्यटन आनंद त्रिपाठी उपस्थित रहे। प्रमुख शासन सचिव ने अल्बर्ट हॉल का निरीक्षण कर कहा कि राजस्थान की शानदार कला, संस्कृति और ऐतिहासिक महत्व की पुरा कलाकृतियों एवं वस्तुओं का आधुनिक रूप से संरक्षण कार्य किया जाए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अल्बर्ट हॉल संग्रहालय एवं उसके स्टोर में रखी लगभग 18 हजार पुरा कलाकृतियों और सामग्री का जीवंत प्रदर्शन करने उपायों पर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने संग्रहालय की समस्त दीर्घाओं में लाईट की व्यवस्था सुनिश्चित करवाये जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही संग्राहलय को भव्य रूप से पुनर्जीवित करने के निर्देश दिए।

कला-पुरा सामग्री के द्वितीय चरण के संरक्षण कार्य हेतु निर्देश—

यादव ने संग्रहालय की महत्वपूर्ण कलाकृतियों का गहनता से अवलोकन करते हुए उनके संरक्षण और उनके प्रदर्शन की भव्यता बढ़ाने के कई सुझाव दिए। उन्होंने अल्बर्ट हॉल के तहखाने, स्टोर का निरीक्षण किया और वहां पुरानी पेटिंग्स, अस्त्र शस्त्र, औजार, मूर्तियों, पुराने बर्तन

और कला कृतियों के किये जा रहे रेस्टोरेशन और रेजुवेनेशन कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने आई.जी.एन.सी.ए., नई दिल्ली की टीम द्वारा किए जा रहे इस सम्बंध में किए कार्य की सराहना करते हुए कहा कि इस कार्य के पश्चात स्टोर में सुरक्षित रखी हुई कला-पुरासामग्री को डिस्पले के रूप में प्रदर्शित किया जाए। उन्होंने आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण के अभियन्ता को कला-पुरा सामग्री के द्वितीय चरण के संरक्षण कार्य हेतु निर्देश प्रदान किए।

इन्फॉर्मेशन क्यू आर कोड पुनः अपडेट करवाने के निर्देश—

प्रमुख शासन सचिव ने अल्बर्ट हॉल के संग्राहलय में राईटअप इन्फॉर्मेशन क्यू आर कोड पुनः अपडेट करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने वहां प्रदर्शित कला कृतियों और पुरा महत्व की वस्तुओं की रोचक जानकारी के साथ राईटअप इन्फॉर्मेशन क्यू आर कोड पुनः अपडेट करने के निर्देश प्रदान किए।

सीसीटीवी कैमरा लगाने और **म्यूजियम हिस्ट्री बुक छपवाने के निर्देश—**

प्रमुख शासन सचिव ने अल्बर्ट हॉल भवन के दोनों तरफ बने बगीचों में मौसमानुसार फूलवारी लगवाने एवं गार्डन को सुसज्जित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संग्रहालय परिसर में स्टोन बैंच लगवाने के भी निर्देश दिए। अल्बर्ट हॉल की चाबियां रखने की तिजोरी पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कांच के तीन सेंसर गेट लगवाने और संग्रहालय के मुख्य द्वार के सामने पोर्च के फर्श को साफ रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पोर्च के फर्श पर काले धब्बें नहीं होने चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने म्यूजियम हिस्ट्री बुक छपवाने के निर्देश दिए।

जीर्णोद्वार के लिए 25 करोड़ रुपये का बजट आवंटित—

उल्लेखनीय है कि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अल्बर्ट हॉल के जीर्णोद्धार के लिर 25 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया था। इस जीर्णोद्धार कार्य के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है।

मुख्यमंत्री के सांगानेर ने विद्युत के क्षेत्र में लगाई छलांग

-अब सांगानेर पकड़ रहा है रफ्तार, दिखने लगे हैं अब धीरे-धीरे धरातल पर काम

-80 करोड़ के हुए काम

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। बिजली आपूर्ति के क्षेत्र में सांगानेर धीरे-धीरे आत्म-निर्भर होता जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सांगानेर में विद्त क्षेत्र के लिए 80 करोड़ लागत के काम को अंज़ाम दिया है। जो सांगानेर के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

जिसमें 221 नए ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। जो एक बड़ी उपलब्धि है। साथ ही 205 ट्रांसफार्मर की क्षमता में वृद्धि की है। इसके साथ ही 7 नए पावर ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। 9 पावर ट्रांसफॉर्मर्स की क्षमता बढ़ाई गई है। 48 नए 11 केवी के फीडर्स संचालित किए गए हैं। 20 विभिन्न स्थानों पर 11 केवी ओवरहेड हाईटेंशन लाइनों को भूमिगत किया जा चुका है। जो लोगों के लिए खतरा बनी हुई थी। 10-10 एलटी के अंडर लाइन पोल्स एवं 238 के एलटी पिलर बॉक्स लगाए गए हैं। इनकी अनुमानित लागत 46.80 करोड रुपए है। सांगानेर में भविष्य में निर्बाध विद्त आपूर्ति हो इसके लिए 3 नए 33/11 के सब स्टेशन- (1) मदरामपुरा बालाजी, (2) कृष्णा सिटी, (3) गणेश नगर। यह तीन नए स्टेशन खोले जा रहे हैं। जिनका कार्य प्रगति पर है। इनकी अनुमानित लागत 19.79 करोड रुपए है। इसके साथ ही एक नया 33/11 केवी का सब स्टेशन 6 डी इंजीनियर्स कॉलोनी का कार्य एक महीने में शुरू हो जाएगा। जिसकी अनुमानित लागत 10.29 करोड रुपए है।

अगर हम बात स्ट्रीट लाइट्स की करें तो 2 करोड रुपए की लागत से लगभग 6500 एलईडी लाइट्स लगाई जा चुकी हैं। 2500 एलईडी लाइट लगाने की कार्यवाही निरंतर जारी है। 45 जगह को चिन्हित कर वहां हाई मास्क लाइट्स लगाई जा चुकी है। जिनकी लागत 69. 97 लाख रुपए है।

मात्र डेढ़ साल के अपने कार्यकाल में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विद्त के क्षेत्र में सांगानेर विधानसभा में लगभग 80 करोड रुपए लागत के काम होना अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। जहां सांगानेर डेढ़ वर्ष पूर्व बिजली जैसी बुनियादी चीज के लिए वंचित था। आज वहां 24 घंटे बिजली की आपूर्ति बिना किसी निर्वात के सुनिश्चित हो रही है। यह सांगानेर की जनता के लिए बहुत बड़ी सौगात है। हमने अपने लेख में कई बार कहा कि धैर्य रखिए सांगानेर की काया पलट शीघ्र होने वाली है। सब्र का फल मीठा होता है। सांगानेर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वास रखिए सांगानेर की किस्मत बदलने वाली है।

5 वर्षीय जुबेर की नाले में डूबने से हुई मौत

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । शनिवार सुबह कागज़ी मोहल्ले से एक दुःखद घटना सामने आई जिसमें कागजी मोहल्ले निवासी जुबैर पुत्र जाकिर उम्र 5 वर्ष शौच करने गया था। शहर के लटीया नाले में पैर फिसल कर डूबने से मौत हो गई । वहीं स्थानीय निवासियों का इस घटना पर कहना है कि एलिवेटेड रोड कार्य के चलते सुविधा के लिए कच्चा रास्ता जो बना रखा था उस के लिए नाले के किनारे-किनारे गहरे गड्ढे कर रखे थे। जिसकी वजह से यह हादसा हुआ है । विभागीय अधिकारियों का गैर-जिम्मेदाराना रवैया देखने को मिला। बारिश के शुरू होने से पहले तकरीबन 20 दिन पहले एक्सियन ठेकेदार और अन्य विभागीय अधिकारियों को मौके पर मुआयना भी करवा दिया गया था । जिस पर दो दिन में साफ करने की अधिकारियों ने कहा था जो आज तक साफ नहीं किया व एक मासूम की जान चली गई, कल को और बड़ा हादसा होने की संभावना बनी हुई है । फिलहाल आस-पास के इलाकों में मातम का माहौल बना हुआ है ।

बिन ब्याहे अर्पण का

अंदाज आपका क्या अच्छा है ध्यानाकर्षण का
उजियारा देख लिया सब ने शब्दों के घर्षण का
मिला चांदनी चौक में एक सौदागर दर्पण का
दृश्य सभी ने देखा जिसमें बिन ब्याहे अर्पण का
हाथों में हाथ डाल कर कथा सुनाई सावन की
सखी आ गया आनन्द उनके संग मेरे भ्रमण का
धनका नाश समयका नाश ना जाने कुलअन्जाने
पूर्वजों को न माने और मोल ना जाने तर्पण का
शाम सवेरे मन को घेरे अंगड़ाई यौवन की
हाथ ना आया एक भी मौका मेरे कोई तोरण का
बुध्दि-जन कब सफल हुए हैं प्रेममयी कथा में
मीन-मेख में उलझ गए ना मजा लिया वर्षण का
अच्छा मिटा दी हमने लक्ष्मण की सब रेखा
दोष मिटेगा कैसे महा काव्य के चीर-हरण का

तख़लीक़ :- फ़ज़लुर्रहमान

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पृष्ठ 1 का शेष....

सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ करें....

इस दौरान उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि अतिवृष्टि की स्थिति में विशेष सावधानी बरतें। भारी बारिश, आकाशीय बिजली एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए भी पूरी तरह सतर्क रहें। बाढ़ग्रस्त मार्गों, पुलों और नदी-नालों को पार करने से बचें।

जिलों को बाढ़ बचाव हेतु सहायता राशि जारी—

बैठक में बताया गया कि संभाग मुख्यालय वाले जिलों को 20-20 लाख रुपए तथा अन्य जिलों को 10-10 लाख रुपए बाढ़ बचाव हेतु जारी किए जा चुके हैं। शासन सचिवालय परिसर में स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर नियमित रूप से संचालित है। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 36 जिलों में असामान्य और 5 जिलों में सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई है। छोटे बड़े सभी बांधों की कुल भराव क्षमता लगभग 13027 एमक्यूएम है जिसमें से 67 प्रतिशत भराव हो चुका है।

शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी जिलों से जर्जर इमारतों, पानी के भराव वाले स्थानों तथा टूटी सड़कों व नदी नालों संबंधी विधानसभावार रिपोर्ट तैयार की जाएं। उन्होंने कहा कि वर्षा जनित दुर्घटनाओं में मृतकों एवं घायलों के लिए सहायता राशि संवेदनशीलता के साथ शीघ्र उपलब्ध कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिला कलक्टर्स गांवों में कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के तहत बनने वाले रिचार्ज संरचनाओं के लिए स्थानों का चिन्हीकरण कर रिपोर्ट भेजें।

उन्होंने कहा कि 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' के तहत प्रदेश में हुए जल संरक्षण संबंधी कार्यों की भी समीक्षा करते हुए उनके रखरखाव और सुधार हेतु अपने सुझाव भिजवाएं।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, प्रदेशभर से संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर, रेंज आई.जी. एवं अन्य उच्चाधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

सांगानेर विकास नागरिक मंच ने की सांसद मंजू शर्मा से मुलाकात

सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर की समग्र उन्नति, सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और नागरिक सुविधाओं के विस्तार हेतु सांगानेर विकास नागरिक मंच के प्रतिनिधि मंडल ने सांसद मंजू शर्मा से भेंट की। इस अवसर पर मंच की ओर से सांगानेर क्षेत्र की बहुआयामी विकास आवश्यकताओं पर केंद्रित एक मांग पत्र सौंपा गया। जिसमें निम्नलिखित **मांगों का उल्लेख किया गया-**

1. सांगानेर को हस्तशिल्प शहर क्राफ्ट सिटी का दर्जा दिया जाए, 2. सांगानेर में महिला अस्पताल, पुस्तकालय और खेल मैदान की स्थापना की जाए, 3. सांगानेर की ऐतिहासिक जल धरोहरों का संरक्षण किया जाए, 4. ट्रैफिक एवं सीवरेज की समस्याओं का दीर्घकालिक समाधान किया जाए, 5. सांगानेर के कारीगरों और GI टैग उद्योगों को राष्ट्रीय योजनाओं में शामिल किया जाए।

सांसद मंजू शर्मा ने सभी मांगों को सहानुभूतिपूर्वक सुनते हुए उनकी सार्थकता को स्वीकार किया और कहा कि वह सांगानेर की सांस्कृतिक गरिमा और नागरिक सुविधाओं के विस्तार हेतु हर संभव प्रयास करेंगी। मंजू शर्मा ने मंच के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जन भागीदारी से ही जन विकास संभव है। प्रतिनिधि मंडल में वरिष्ठ नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्र कुम्भज, महिला सशक्तिकरण की अग्रणी आरती शर्मा, सामाजिक नवाचार में सक्रिय दिनेश छीपा, शिक्षाविद व जागरूकता में योगदान दे रहे लेखराज सैनी एवं सांगानेर की शिल्प कला को अंतर्राष्ट्रीय लेवल पर पहचान दिलाने वाले डॉ. अवुल हसन कागजी डायरेक्टर ए. एल. पेपर सांगानेर आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भिक्षुक पुनर्वास गृह सांगानेर में गुरु पूर्णिमा मनाई गई

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर की सांगानेर स्थित भिक्षुक पुनर्वास गृह जिसमें निर्धन, निराश्रित जनों, बुजुर्ग जनों का निःशुल्क आश्रय स्थल है। इस आवास पर गुरु पूर्णिमा के अवसर पर हवन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। हवन जहां वातावरण को शुद्ध करता है, वहीं मानसिक शांति की अनुभूति भी प्रदान करता है। इस पुनर्वास गृह में ऐसे बहुत सारे लोग रहते हैं जो बड़ी उम्र के एकल व्यक्ति हैं। उम्र के इस पड़ाव पर इन्हें किसी प्रकार का रोजगार नहीं मिल पाता है। ऐसे ज्यादातर लोग शारीरिक या मानसिक कष्ट से ग्रसित रहते हैं। ऐसे लोगों के पास मजबूरी में भिक्षावृत्ति करने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं बचता है। मानसिक शांति के लिए समय-समय पर सभी के लिए हवन, पूजन, भजन आदि कार्यक्रम नियमित रूप से करवाए जाते रहते हैं। आज गुरु पूर्णिमा के अवसर पर संस्थान प्रमुख ईवादीप सक्सेना ने बताया कि यहां पर रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में अलग-अलग प्रकार के कष्टों से जूझ रहा है। कोई बुजुर्ग होने के कारण परिवार द्वारा घर से निकाल दिया गया है तो किसी को शारीरिक और मानसिक कष्ट है। ऐसे में यह सड़क पर लावारिस ना घूमें इसलिए कुछ समझदार लोगों को आवास गृह पर बेसिक ट्रेनिंग भी दी जाती है। जिससे इन्हें समुचित रोजगार मिले। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाता है।

ईदगाह इलाके में मवेशियों के अवशेषों की बदबू से यहां के निवासी परेशान!

-नगर निगम से की शिकायत, जनता में आक्रोश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ईदगाह इलाके में जो मवेशियों के अवशेष (हड्डियां) जमा होते हैं, उनकी बदबू से आस-पास के निवासी काफी परेशान हैं। सुबह मस्जिद जाने वाले, ईदगाह जाने वाले, खोले के हनुमान जी मंदिर जाने वाले और राहगीरों ने कई बार शिकायत की है। फिर भी आबादी क्षेत्र में ट्रक खड़ा करके मवेशियों के अवशेष (हड्डियां) इकट्ठी की जाती है। जिनकी दुर्गंध से बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग बीमार तक हो रहे हैं। हड्डियों को इकट्ठा करने वाला ट्रक ईदगाह के पास दिल्ली हाईवे पर खड़े होते हैं। आश्चर्यजनक रूप से आसपास स्कूल, हॉस्पिटल, मस्जिद, कब्रिस्तान एवं मंदिर मौजूद है। नगर निगम प्रशासन क्यों कार्यवाही नहीं करता है समझ से बाहर है? जबकि नगर निगम में लगातार लोगों द्वारा शिकायत की जा रही है।

वार्ड 76 के पार्षद सोहैल मंसूरी का कहना है हमने कई बार निगम को पत्र लिखा लेकिन निगम ने चालान काट कर व्यापारी को छूट दे दी।पार्षद के विरोध पर एक बार ट्रक प्रशासन द्वारा वहां से हटाए भी गए लेकिन फिर वापस लगने लगे। पार्षद ने आरोप लगाया कि नगर निगम हेरिटेज के कर्मचारी इन हड्डी व्यापारियों से मिले हैं।

क्षेत्र के लोगों ने पार्षद के खिलाफ विरोध जताया , लोगो का साफ़ कहना है हड्डियों के ट्रक जिस व्यापारी के लगते हैं वह पार्षद और निगम से मिला हुआ है, यहाँ कोई ध्यान नहीं दिया जाता। आम नागरिकों का कहना है कि सुबह मॉर्निंग वॉक और श्रद्धालु खोले के हनुमान जी जाते हैं हड्डियों की दुर्गंध आती है जिससे रहना और गुज़रना दूभर हो गया है। कब्रिस्तान की दीवार से लग कर यह गाड़ियाँ खड़ी होती हैं , मुस्लिम समाज का कब्रिस्तान है लेकिन जब यह गाड़ियाँ वहाँ पूरे दिन खड़ी रहती हैं जिससे चूहे और जानवर वहाँ रहते हैं और हड्डियाँ, अवशेष कई बार क़ब्रिस्तान में फैला देते हैं ,चूहे खोद देते हैं जिससे कब्रों को नुक़सान होता है।

नगर निगम हेरिटेज के कर्मचारियों का कहना है कि हमने कई बार व्यापारी को नोटिस दिया, चालान भी काट दिए हैं। जिसके जवाब में व्यापारी ने छोटे मजदूर और रोज़गार का हवाला देकर निगम से अनुमति माँगी कि कुछ घंटे कुछ दिन उसे गाड़ी लगाने की अनुमति दी जाए।

जबकि नगर निगम हेरिटेज के पशु प्रबंधक विभाग के कर्मचारियो का कहना है कि, स्थानीय लोग इसमें क्या कर रहे हैं, वह लगने क्यों दे रहे हैं अब इसमें गौर करने वाली बात यह है कि निगम तो ख़ुद इस मामले में नदारद नज़र आ रहा है और उल्टा स्थानीय लोगों को कह रहा है कि वह लोग क़दम उठाएँ। यह कैसा प्रशासन है जो ख़ुद आम जानता से अपील कर रहा है?

जिला अध्यक्ष आर आर तिवारी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी जयपुर नगर निगम चुनाव में जीत पाएगी?

-जबकि जीत की संभावना वाली हवामहल विधानसभा सीट तिवारी की लापरवाही से कांग्रेस के हाथ से निकल गई

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश कांग्रेस पार्टी में जयपुर शहर जिला अध्यक्ष का पद बहुत महत्वपूर्ण है। जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष के कंधों पर कांग्रेस को संगठनात्मक मजबूती एवं स्थानीय चुनाव में मजबूती प्रदान करना होता है। अब सवाल उठता है कि वर्तमान शहर कांग्रेस अध्यक्ष जयपुर शहर में कांग्रेस को मजबूत करने की क्षमता रखते हैं? जयपुर शहर में 8 विधानसभा क्षेत्र है क्या आठों विधानसभा क्षेत्रों में शहर कांग्रेस अध्यक्ष की मजबूत पकड़ है? क्या आगामी नगर निगम चुनाव में शहर कांग्रेस अध्यक्ष आर आर तिवारी के नेतृत्व में नगर निगम में पार्टी जीत सकती है? पार्टी के कुछ लोगों का मानना है कि आर आर तिवारी का जयपुर शहर में नेतृत्व बदलना चाहिए। यदि तिवारी कुशल राजनीतिक होते हैं तो पिछले विधानसभा चुनाव में हवामहल की जीती हुई सीट मात्र 900 वोटो से नहीं हारते हैं। हवामहल विधानसभा चुनाव में तिवारी के कमजोर नेतृत्व और उनके बेटे का कार्यकर्ताओं एवं मीडिया के लोगों के साथ रूखा व्यवहार हार का कारण था। अभी भी तिवारी के बेटे के इर्द-गिर्द आगामी नगर निगम चुनाव में टिकट लेने के इच्छुक कांग्रेसियों का जमाबड़ा रहता है। तिवारी के आस-पास कौन लोग ज्यादा मिलते है। सभी लोग चर्चा करते रहते हैं। सत्ता बदलने के बाद जयपुर शहर में अभी तक उनके नेतृत्व में कोई बड़ा मूवमेंट नहीं खड़ा हो पाया है। शहर कांग्रेस में यह भी चर्चा है कि नगर निगम चुनाव में पार्षदों को टिकट तिवारी जी के बेटे की इच्छा अनुसार बांटे जाएंगे।

विधानसभा चुनाव में क्यों हार हुई

कांग्रेस से हवामहल प्रत्याशी आर आर तिवारी को जयपुर शहर के लोगों ने दिल खोलकर चंदा दिया था। पार्टी फण्ड से भी काफी पैसा मिला था। लेकिन चुनाव में मिला फण्ड चुनाव सामग्री, कार्यकर्ताओं और चुनाव प्रचार पर खर्च नहीं किया गया। हवा महल सीट को कांग्रेस की जीती हुई सीट माना जा रहा था। लेकिन वर्तमान शहर कांग्रेस अध्यक्ष और हवामहल से कांग्रेस प्रत्याशी आर आर तिवारी के कारण यह सीट कांग्रेस की झोली से निकल गई। वर्तमान में विशेषण किया जाए तो पता लगेगा कि शहर कांग्रेस को मजबूत करने के लिए कोई खास प्रयास नहीं किया जा रहे हैं। सिर्फ अल्पसंख्यक वर्ग एवं भाजपा विरोधी वोटो के आधार पर आगामी नगर निगम चुनाव जीतने के सपने देखे जा रहे हैं। फिर भी कांग्रेस है जिसमें सब चलता है। यहां हारने वालों को भी तीन-चार बार टिकट लगातार मिल जाता है।

जयपुर शहर में कैसा नेतृत्व चाहिए

कांग्रेस शहर अध्यक्ष ऐसा होना चाहिए जो वर्तमान सरकार की कमियों, अधूरे विकास कार्यों, व्यापारियों की समस्याओं, मुस्लिम एवं दलित बस्तियों में गंदगी एवं सीवर की समस्याओं को लेकर आंदोलन खड़ा कर सके। सभी जाति वर्गों को साथ लेकर चल सके। यदि वर्तमान अध्यक्ष में सिर्फ मीठा बोलने और लक्ष्येदार भाषण देने के अलावा दूसरी खूबी है तो जरूर उन्हें जयपुर शहर कांग्रेस अध्यक्ष बनाए रखना चाहिए।

जनता के हक और हुकूक की लड़ाई अब सड़क पर लड़ी जाएगी- नरेश मीणा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पिंकसिटी प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में नरेश मीणा ने बड़ा ऐलान किया। उन्होंने बताया कि 21 जुलाई से वे 'जन क्रांति यात्रा' की शुरुआत करेंगे। यह यात्रा झालावाड़ के कामखेड़ा बालाजी से शुरू होगी। नरेश मीणा ने कहा कि यह यात्रा जनता के हक और हकूक की लड़ाई है, जो अब सड़क पर लड़ी जाएगी। उन्होंने बताया कि आस्था से मन्नत मांगी है, इसलिए जब तक यात्रा पूरी नहीं होगी, तब तक चप्पल नहीं पहनेंगे। उन्होंने साफ किया कि यह आंदोलन जनआवाज़ और जनसंघर्ष की नई शुरुआत है।

पुलिस थाना माणक चौक द्वारा शातिर मोटर साईकिल चोर गिरफ्तार

- एक मोटर साईकिल बरामद

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) । अग्रसेन पार्क जनता बाजार एवं आस पास के इलाके से लगातार हो रही मोटर साईकिल चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिये धर्म सिंह पु.नि. थानाधिकारी माणक चौक के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया जिसमें मोहनलाल एचसी 870, महेश कानि 10719, बिंद्र कानि 12096 को सम्मिलित किया गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशी डोगरा डूडी ने बताया कि उक्त गठित टीम द्वारा इलाका थाना से चोरी गई मोटर साईकिल के स्थानो को चिन्हित कर वारदात के समय को चिन्हित कर घटना स्थल के आस पास के सीसीटीवी फुटेज देखे गये। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर रोड मैप तैयार किया गया तब गठित टीम को पता चला कि मोटर साईकिल चोरी की वारदात को एक व्यक्ति लगातार अंजाम दे रहा है। तब गठित टीम द्वारा जलेबी चौक से उक्त व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। गठित टीम द्वारा उक्त गिरफ्तार व्यक्ति से पूछताछ की तो उसने माणकचौक से मोटर साईकिल चुराना स्वीकार किया जिस पर चोरी की एक मोटर साईकिल बरामद हुई है। उक्त गिरफ्तार व्यक्ति नशे का आदि है एवं नशा करने के लिये ही मोटर साईकिल चोरी करता है तथा चुराये गये वाहनो के पार्टस खोलकर बेच देता है। मुल्जिम से अन्य वारदातो के बारे मे गहन अनुसंधान किया जा रहा है।

मुल्जिमः- मो. इरफान उर्फ पप्पु पुत्र स्व. अब्दुल अजीज उम्र 41 साल जाति मुसलमान है।

जिला कलक्टर ने की स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा

- जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक का हुआ आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में शनिवार को आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सभी प्रमुख स्वास्थ्य कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में सर्वप्रथम स्कूल हैल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम कक्षा 6 से 12 में अध्ययनरत 10-19 वर्ष आयुवर्ग के विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, सांस्कृतिक व शैक्षणिक उन्नयन पर आधारित है। कार्यक्रम तृतीय चरण में जयपुर जिले को शामिल किया है। यह कार्यक्रम चिकित्सा विभाग व शिक्षा विभाग के संयुक्त समन्वय से संचालित किया जाएगा। जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को गंभीरतापूर्वक कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान अध्यक्ष महोदय ने आगामी 14 अगस्त तक आयोजित होने वाले विशेष टीकाकरण अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु निर्देशित किया। उन्होंने आगामी 24 जुलाई, गुरुवार को जिले में टीकाकरण हेतु विशेष अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए। इस हेतु आगामी 22 जुलाई को ब्लॉक स्तरीय जन-जागरूकता रैली आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके बाद टीबी मुक्त अभियान के अंतर्गत चर्चा हुई। इस दौरान जिला कलक्टर ने अभियान में उत्तरोत्तर प्रगति किए जाने के निर्देश दिए। गैर संचारी रोग (NCD) कार्यक्रम पर चर्चा के दौरान उन्होंने शहरी क्षेत्र में अपेक्षित प्रगति लाए जाने के निर्देश दिए। वय- वंदन योजना की प्रगति में असंतोष जाहिर करते हुए अध्यक्ष ने योजना में लाभार्थियों का अधिकाधिक पंजीकरण किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में आभा आईडी, मौसमी बीमारियाँ, एमएनडीवाई / एमएनजेवाई, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, यूडीआईडी कार्ड प्रगति, एएनसी रजिस्ट्रेशन, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, परिवार कल्याण कार्यक्रम पर चर्चा हुई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (प्रथम) डॉ. रवि शेखावत, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (द्वितीय) डॉ. मनीष मित्तल सहित ब्लॉक मुख्य चिकित्साधिकारी, सीएचसी व पीएचसी अधिकारियों सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

खोले के हनुमान जी मंदिर रोप वे पर अवैध अतिक्रमण हटाया गया

-वन विभाग की बड़ी कार्रवाई – धार्मिक आस्था की आड़ में फैला था व्यवसायिक कब्जा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में खोले के हनुमान मंदिर क्षेत्र में लंबे समय से अवैध अतिक्रमण को लेकर मिल रही शिकायतों पर आखिरकार बड़ी कार्रवाई हुई है। मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) जयपुर टी. मोहनराज के सुपरविजन में, और डीएफओ प्राची चौधरी की अगुवाई में, वन विभाग ने अन्नपूर्णा मंदिर से लेकर वैष्णो देवी मंदिर तक रोपवे मार्ग पर अवैध निर्माणों को हटाया। खोले के हनुमान मंदिर के रोपवे क्षेत्र में अन्नपूर्णा मंदिर से वैष्णो देवी मंदिर तक अवैध रूप से चल रहे रेस्टोरेंट, जिप लाइन, फिश स्पा, बॉडी मसाज सेंटर, प्रसाद की दुकानें, हमन गायरो, मसाज चैयर और स्काई साइकिल जैसे कई व्यावसायिक ढांचे धड़ल्ले से चल रहे थे। धार्मिक पर्यटक स्थल की आड़ में इस क्षेत्र को मुनाफे का बाजार बना दिया गया था, जिससे ना केवल वन भूमि का अतिक्रमण हो रहा था, बल्कि जैव विविधता और पर्यावरण को भी खतरा पहुंच रहा था। वन विभाग ने सख्ती बरती।और कार्रवाई में अवैध निर्माण हटाए गए हैं। ये वन भूमि है और इसका व्यवसायिक उपयोग पूरी तरह गैरकानूनी है।" जानकारी के अनुसार, यह पूरा क्षेत्र वन भूमि के अंतर्गत आता है, और किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि के लिए न तो अनुमति ली गई थी और न ही कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत किए गए।

वन विभाग की इस सख्त कार्रवाई से अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया है।

टी. मोहनराज, मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), जयपुर: "यह अभियान वन क्षेत्र की सुरक्षा और धार्मिक आस्थाओं की मर्यादा बनाए रखने के लिए जरूरी था। भविष्य में ऐसे किसी भी अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।" वन विभाग की यह कार्रवाई एक सख्त संदेश है कि धार्मिक स्थलों की आड़ में चल रहे अवैध धंधे अब नहीं चलेंगे। अब देखना होगा कि क्या अन्य धार्मिक व पर्यटक स्थलों पर भी ऐसी ही कार्रवाई होगी?

राजस्थान पुलिस कर्मियों के बच्चों को कोचिंग फीस में Class 24 संस्था देगा 50 प्रतिशत की छूट

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पुलिस, विभाग के समस्त कर्मचारियों के बच्चों को कक्षा 8वीं से 12वीं तक तथा 12वीं पास के विद्यार्थियों हेतु प्री-फाउन्डेशन, ओलंपियाड, नीट, आईआईटी, जेईई, एसएससी एवं आरएएस जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग में Class 24 कोचिंग संस्थान 50 फीसदी की छूट देगा। पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कर्मियों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन अवसर उपलब्ध करवाने में ये पहल काफी सहायक सिद्ध होगी। इससे न केवल पुलिस कर्मियों के बच्चों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मदद मिलेगी, बल्कि पुलिसकर्मी भी अपनी परिवारिक जिम्मेदारी अच्छे से वहन कर सकेंगे और इसका सकारात्मक प्रभाव पुलिस कर्मचारियों की कार्यक्षमता पर भी पड़ेगा। जोसफ ने बताया कि पुलिस कार्मिकों की कार्यकुशलता बढ़ाने और उनमें सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए इस तरह की पहल होती रहें। समाज में अपराध मुक्त वातावरण के लिए पुलिस का सकारात्मक ऊर्जा से भरा होना जरूरी है। इस मुहिम में सहयोग के लिए पुलिस कमिश्नर ने Class 24 संस्थान का भी आभार व्यक्त किया। Class 24 संस्था के सीईओ भूवनेश शर्मा ने बताया कि Class 24 एक अग्रणी शैक्षिक मंच है, जो कक्षा 8वीं से 12वीं तक तथा 12वीं पास के विद्यार्थियों को प्री-फाउन्डेशन, ओलंपियाड, नीट, आईआईटी, जेईई, एसएससी, आरएएस जैसी राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संचालित सभी पाठ्यक्रमों की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग कराता है।

ई रिक्शा गैरेज में भीषण आग से मचा हड़कंप!

-ईदगाह पुलिया नंबर 2 पर लगी आग, दमकल की टीम ने पाया काबू

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। के ईदगाह पुलिया नंबर 2 के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक ई-रिक्शा गैरेज में अचानक भीषण आग लग गई। आग गैरेज में मौजूद चार्जिंग स्टेशन से फैली, जिससे इलाके में धुआं और दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची गलता गेट थाना पुलिस और दमकल की टीम ने तेजी से राहत कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। समय रहते गैरेज में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

आठवले ने हिंदीभाषियों पर हमले की निंदा की

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने हिस्सा लिया और महाराष्ट्र में हिंदीभाषियों पर हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की। आठवले ने ठाकरे गुट पर निशाना साधते हुए कहा कि अत्याचार अब और नहीं सहेंगे, जरूरत पड़ी तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्टी राजस्थान में भी विस्तार की दिशा में काम कर रही है और आने वाले समय में बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर ठोस आंदोलन खड़ा किया जाएगा।

20 दशक से प्यासा रामगढ़ बांध, होगा फिर से जीवित

-रामगढ़ में पहली बार होगा Artificial Rain का ट्रायल, ताइवान से मंगवाया गया हाईटेक ड्रोन

-अमेरिका के वैज्ञानिकों द्वारा करवाई जाएगी कृत्रिम बारिश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ज़िले में स्थित ऐतिहासिक रामगढ़ बांध कभी राजधानी की जल जीवनरेखा था। 1903 में बने इस बांध से जयपुर शहर की जलापूर्ति होती थी। लगभग 15.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले इस बांध में 1999 के बाद से अब तक एक भी बार भराव नहीं हुआ। कारण है – अवैध अतिक्रमण, कैचमेंट एरिया में निर्माण,और बरसाती नदियों पर अवरोध। वहीं राज्य सरकार की अनूठी पहल से बांध की बुझेगी प्यास। जयपुर में होने जा रहा है मौसम का इतिहासिक कारनामा। सूखे रामगढ़ बांध में अब हाईटेक ड्रोन बरसाएगा बारिश। तैयारी पूरी, तकनीक हाईटेक... और मिशन की कृत्रिम वर्षा, आसमान में 40 हजार फीट की ऊंचाई तक जाएगा ये खास ड्रोन। ताइवान से मंगवाया गया है यह रेन-क्रिएटर ड्रोन,वैज्ञानिक तकनीक से बादलों में छोड़े जाएंगे स्पेशल केमिकल पार्टिकल्स, और शुरू होगी बारिश! जयपुर कलेक्टर ने सभी अहम विभागों के साथ ली संयुक्त बैठक। इस महीने के अंत तक शुरू होगी पहली ट्रायल बारिश। पूरा डेटा एक महीने तक रिकॉर्ड किया जाएगा। बादल, बारिश, हवा सब कुछ! अगले 7 दिनों में अमेरिका के सीनियर वैज्ञानिक जयपुर पहुंचेंगे। पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग और डेटा एनालिसिस किया जाएगा। अब देखना यह होगा राज्य सरकार के अथक प्रयासों को कितनी सफलता प्राप्त होगी।

13 साल से फरार 02 स्थाई वारन्टी गिरफ्तार

-पुलिस थाना गलतागेट की फरार अपराधियों के विरुध कार्यवाही

-13 साल से फरार वांछित स्थाई वारंटी अमर चन्द व ओमवती को किया गिरफ्तार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी आईपीएस ने बताया कि पुलिस मुख्यालय राजस्थान द्वारा दिनांक 18-07-2025 से 31-07-2025 तक चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत स्थाई वारन्टी, 299 सीआरपीसी, पीओज, 173 (8) सीआरपीसी में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु समस्त थानाधिकारी जयपुर उत्तर को निर्देशित किया गया था जिस पर डॉ. दुर्गसिंह राजपुरोहित अति. पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर प्रथम के सुपरविजन हरि शंकर शर्मा सहायक पुलिस आयुक्त रामगंज जयपुर उत्तर के निर्देशन एवं थानाधिकारी उदय सिंह पुलिस निरीक्षक पुलिस थाना गलतागेट जयपुर उत्तर के नेतृत्व में रामजीलाल कानि 4951, विक्रम कानि 9779, गुड् म.कानि 11697 की विशेष टीम गठित की गई। टीम द्वारा लगातार मेहनत कर वांछित आरोपियों पर निगरानी जारी रखी गई। गठित टीम द्वारा वांछित स्थाई वारंटी 1 अमर चन्द पुत्र लाल चन्द जाति सैनी उम्र 38 साल निवासी मकान नं.53 नरवरपुर कोलोनी बासबदनपुरा गलतागेट जयपुर 2 ओमवती पत्नी दिलीप कुमार जाति माली उम्र 55 साल निवासी हाल प्लाट नं. 53, नरवरपुरी कोलोनी बासबदनपुरा गलतागेट जयपुर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। उक्त स्थाई वारण्टी 13 साल से फरार चल रहे थे। पुलिस थाना गलतागेट जयपुर द्वारा वांछित अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु प्रयास जारी है।

संपूर्ण कार्यवाही में विक्रम कानि 9779 की विशेष भूमिका रही है।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।

-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

ट्रंप झुकाना चाहते हैं मोदी को, लेकिन सफल नहीं हो पा रहे हैं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पाक के बीच सैन्य संघर्ष पर फिर बयान दिया है कहा है कि विमान हवा में ही गिराए जा रहे थे। मुझे लगता है पांच विमान गिराए गए। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन सीनेटर के लिए आयोजित डिनर के दौरान यह बयान दिया। ट्रंप ने दोहराया कि ट्रेड डील रद्द करने का हवाला देकर मैंने खुद रुकवाया था। दूसरी तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा-"मोदी जी 5 जहाजों का सच क्या ? देश को जानने का हक है"। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बार-बार भारत पाकिस्तान युद्ध विराम को लेकर मीडिया में बोलते रहते हैं, इसका क्या कारण है समझा जा सकता है। वैसे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति को अपना दोस्त बताते थे, लेकिन ट्रंप में मोदी से दोस्ती की कहीं से भी झलक दिखाई नहीं दे रही है। ट्रंप भारत और मोदी पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। कभी भारत पर अधिक टैरिफ लगाने की धमकी देते हैं तो कभी रूस से पेट्रोल खरीदने पर पाबंदी लगाने की धमकी देते हैं। भारत ने पाकिस्तान से युद्ध रोकने की अपील मानकर गलती कर दी। अब अमेरिका युद्ध रुकवाने का क्रेडिट भी लेना चाहता है और द्विपक्षीय व्यापार में अपनी शर्तें थोपना चाहता है। दूसरी तरफ राष्ट्रपति ट्रंप पाकिस्तान की तुलना में भारत को मजबूत दिखाना नहीं चाहते हैं। भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय भारत पाकिस्तान पर काफी हद तक भारी पड़ रहा था। एक-दो दिन के युद्ध में पाकिस्तान को काफी नुकसान पहुंचाया जा सकता था। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह भूल ही कही जाएगी, जो युद्ध रोकने की बात मान ली। अमेरिकी राष्ट्रपति की बात मानना प्रधानमंत्री मोदी को भारी पड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी के कारण राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की बेइज्जती कर रहे हैं। भारत एक संप्रभुता संपन्न राष्ट्र है। अमेरिकी राष्ट्रपति भारत को कमतर आंकने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झुकाना चाहते हैं, भारत पर अपनी शर्तें थोपना चाहते हैं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ट्रंप के एक भी आरोप का जवाब नहीं दे रहे हैं। यही कारण है कि ट्रंप भारत के लिए बार-बार कुछ भी बोले जा रहे हैं। वैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति ट्रंप की बातों का जवाब नहीं दे रहे हैं और न ही दबाव में आ रहे हैं। यही कारण है कि अमेरिका भारत को लेकर नाराज दिखाई दे रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका कमजोर होता जा रहा है। अमेरिका भारत से खुलकर समर्थन चाहता है, लेकिन भारत किसी के दबाव में आए अपनी विदेश नीति पर काम कर रहा है। भारत पहले इजराईल के नजदीक दिखाई दे रहा था। लेकिन भारत अब विश्व के मुस्लिम देशों से भी संबंध बना रहा है। यदि भारत को आर्थिक रूप से मजबूत होना है तो मुस्लिम देशों से अच्छे रिलेशन जरूरी हैं। मुस्लिम देशों के पास खूब पैसा है और खूब खर्च करते हैं।

इस्लामी हुकूमतों में जज़िया (टैक्स) धर्म परिवर्तन के लिए लगाया जाता था या शासन का खजाना भरने के लिए?

आजकल आप सुनते आ रहे होंगे कि इस्लामी हुकूमत में ग़ैर-मुस्लिम से जज़िया लिया जाता था। और ये बात सुनकर बहुत से मुसलमान और गैर-मुस्लिम के दिल में आता है कि इस्लाम तो बहुत सख़्त है, क्यों कि अगर कोई गैर-मुस्लिम कमज़ोर, ग़रीब, विधवा हो तो उससे भी जज़िया लेंगे! ऐसी ग़लतफ़हमी का नुक़सान हम सबको होता है, लोग आपस में लड़ते हैं, नफ़रत फैलती है और हम अपनी ज़िंदगी में कभी तरक्की नहीं कर पाते और न ही इस देश को आगे बढ़ा सकते।

तो आइए इस मामले को अच्छे से समझ लेते हैं कि असलियत क्या है।

सबसे पहले ये समझिए कि किसी भी स्टेट या मुल्क को चलाने के लिए पैसे की ज़रूरत होती है

और अपनी जनता को सहूलतें (सुविधाएं) मुहैया कराने के लिए, तरक़्क़ी करने के लिए हुकूमत को खर्च चाहिए। ये पैसे हुकूमत जनता से टैक्स की शक्ल में लेती है और उन पर खर्च करती है, विकास करती है।

ये सिस्टम कोई नया नहीं है, ये शुरू से चलता आ रहा है। जब लोग किसी हुकूमत को मानने लगे, तो ये टैक्स का सिस्टम भी शुरू हो गया। आज भी यही सिस्टम जारी है।

पुराना सिस्टम – हिंदू शासन में

हिंदू शासन में जिन रूलर्स का ज़िक्र ज़्यादा होता है वो दो हैं – महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज।

शिवाजी के शासन में 5 तरह के टैक्स थे:

1 चौथ (25%)

चौथ का मतलब था कि किसी भी इलाके के कुल राजस्व का 25% शिवाजी की हुकूमत को देना पड़ता था।

ये असल में एक तरह का प्रोटेक्शन टैक्स था – अगर आप चौथ दे दो तो शिवाजी की फौज आपके इलाके पर हमला नहीं करती थी और आपको उनकी तरफ़ से अमन मिलता था।

2 सरदेशमुखी (10%)

इसके बाद एक और टैक्स लगता था जिसे सरदेशमुखी कहते थे।

ये 10% अलग से होता था और ये इस बात की निशानी थी कि शिवाजी को उस ज़मीन पर "सरदेशमुख" यानी असली मालिक का हक माना जाता है।

मतलब अगर किसी ने चौथ दे दी, फिर भी उसे सरदेशमुखी भी देनी पड़ती थी।

3 छोटे टैक्स (3% + 6%)

चौथ और सरदेशमुखी के अलावा कुछ छोटे टैक्स भी थे:

नदगुंडा टैक्स □ 3%

पंत साचीव टैक्स □ 6%

ये अलग-अलग मराठा अफसरों के लिए होते थे जो प्रशासन चलाते थे।

यानी शिवाजी के राज में कुल मिलाकर जनता पर 35-40% तक का टैक्स बोझ पड़ता था।

महाराणा प्रताप के शासन में 4 तरह के टैक्स थे:

1 ज़मीनी कर (लगान)

मेवाड़ राज्य में किसानों से लगान लिया जाता था जो ज़मीन की पैदावार का लगभग 25%–33% होता था।

मतलब अगर एक किसान की फ़सल 100 रुपये की हुई तो 25–33 रुपये सिर्फ लगान के तौर पर देने पड़ते।

2 व्यापार और मंडी कर

जो व्यापारी शहरों और मंडियों में सौदा करते थे उन पर अलग से व्यापार कर लगता था।

हर मंडी में माल बेचने पर अलग-अलग टैक्स देने पड़ते थे, जैसे आजकल मंडी शुल्क होता है।

3 पेड़-पौधों और घर पर टैक्स

गाँव के लोगों पर कभी-कभी अलग से घर टैक्स या जंगल/पेड़ टैक्स भी लगाया जाता था – मतलब जंगल से लकड़ी या चारा लेने के लिए भी पैसा देना पड़ता था।

मौजूदा सरकार के टैक्स

आज के भारत में कुल लगभग 13 तरह के टैक्स हैं, जिन्हें 3 कैटेगरी में बाँटा जा सकता है:

डायरेक्ट टैक्स = इनकम टैक्स, कॉर्पोरेट टैक्स, कैपिटल गेन, एसटीटी, टीडीएस/टीसीएस

इनडायरेक्ट टैक्स = जीएसटी (CGST/SGST/IGST), कस्टम्स, एक्साइज, वैट, टोल, एंटरटेनमेंट टैक्स

सेस/लेवी = एजुकेशन, हेल्थ, स्वच्छ भारत, कृषि कल्याण, प्रोफेशनल टैक्स

जो कि भारत के विकास के लिए जनता से लिए जाते हैं और ये सब से लिए जाते हैं – अमीर, ग़रीब, सब से। अगर कोई भिखारी भी 5 रुपये की हीना नमकीन खरीदता है तो उस पर भी टैक्स है और जो पैसा कमाया उस पर भी टैक्स है।

अब आते हैं इस्लामी हुकूमत के टैक्स पर

इस्लाम में हुकूमत दो चीज़ों पर चलती थी – ज़कात और जज़िया।

मुसलमानों पर ज़कात, सदक़ा-ए-फ़ित्र, क़ुर्बानी, नफ़्ली सदक़ा, हज वग़ैरह।

ग़ैर-मुसलमानों पर सिर्फ जज़िया।

जज़िया क्या है?

जज़िया अरबी माद्दा "जज़ा" से "फ़िलह" के वज़न पर एक लफ़्ज़ है। इस वज़न पर होने की वजह से इसके मानी हैं

बदला देने की हालत,

अदा करने की कैफियत,

क़ायम-मकामी (बदले में) करने का अंदाज़,

जनाशिनी का तरीक़ा,

किफ़ायत करना, फ़ायदा पहुँचाना या काम की अंजामदेही का तरीक़ा।

इसलिए "जज़ा-यजज़ी" के मानी हैं – बदला देना, अदा करना, फ़ायदा पहुँचाना और काम आना।

जज़िया किनसे लिया जाता था?

एक हदीस मुवत्ता इमाम मालिक 46 में आता है कि किनसे लिया जाएगा:

जो जवान हो,

आज़ाद हो (ग़ुलाम न हो),

अक़्लमंद हो (पागल न हो),

और क़ाबिल मर्द हो, जिस्मानी लिहाज़ से तंदुरुस्त।

और किनसे नहीं लिया जाता:

बच्चे, औरतें, गुलाम, ग़रीब जिनका कोई कमाने वाला न हो, बीमार और कमज़ोर।

मतलब ग़रीब, विधवा, मज़लूम, अक्षम से नहीं लिया जाता था।

कितना जज़िया लिया जाता था?

हदीस अबू दाऊद 3038 से पता लगता है कि ग़ैर-मुस्लिम से 1 दीनार जज़िया लेना है, वो भी साल में सिर्फ़ एक बार।

अब सवाल उठता है कि उस ज़माने में 1 दीनार की क़ीमत कितनी थी?

तो इब्न माजा 2402 से पता चलता है कि जितने में एक बकरा (sheep) आ जाए उतना!

यानी बस एक बकरे के बराबर साल का टैक्स। और अगर कोई देने की इस्तिआत (सामर्थ्य) नहीं रखता तो उसे माफ़ कर दिया जाता था, बल्कि बैतुलमाल से उसकी मदद की जाती थी।

इस्लामी हुकूमत की मिसाल

हमें इस्लामी इतिहास में वाक़या मिलता है कि हज़रत उमर रज़ि. के ज़माने में एक ग़रीब बूढ़ा ईसाई भीख माँगता दिखा। उन्होंने पूछा – तुम भीख क्यों माँग रहे हो? वो बोला – मेरे पास कमाने की ताक़त नहीं।

तो हज़रत उमर रज़ि. ने उसका खर्चा बैतुलमाल से बाँध दिया!

और सिर्फ़ इतना ही नहीं – जब मुस्लिम फौज को किसी इलाक़े से पीछे हटना पड़ा, तो वहाँ के ग़ैर-मुस्लिम से लिया हुआ जज़िया भी वापस कर दिया, ये कहकर कि – "हम अब तुम्हारी हिफ़ाज़त नहीं कर सकते, इसलिए तुम्हारा टैक्स लौटा रहे हैं।"

अब बताइए, क्या आज की कोई मौजूदा सरकार ऐसा कर सकती है कि काम न होने पर जनता का टैक्स वापस दे दे?

नतीजा क्या निकला?

जज़िया गैर-मुस्लिम पर जबरी मज़हब बदलवाने (Force Conversion) के लिए नहीं,

बल्कि उनकी हिफ़ाज़त और स्टेट चलाने के लिए लिया जाता था – बिलकुल वैसे ही जैसे आज सरकार टैक्स लेती है।

इसलिए मीडिया की बातें सुनकर आपस में नफ़रत न बढ़ाएँ, बल्कि प्यार-मुहब्बत से सब मिलजुलकर रहें।

अल्लाह हमें सही समझने की तौफ़ीक़ दे (आमीन)।

(मुहम्मद सोहैल)

सच्चाई का समाज में अहम मुकाम

आख़िरी पैग़ंबर ने फरमाया:

"सच्चाई को अपनाओ, क्योंकि सच्चाई नेकी की तरफ़ ले जाती है, और नेकी जन्नत की तरफ़ ले जाती है।"

(बुखारी व मुस्लिम)

अल्लाह उन लोगों से बहुत मोहब्बत करता है जो सच बोलते हैं और सच का साथ देते हैं। लेकिन अफ़सोस! आज हमारे मुसलमान समाज में सबसे बड़ी कमी यही पाई जाती है कि लोग झूठ बोलते हैं और धोखा देते हैं। हालात इतने बुरे हो गए हैं कि आज एक मुसलमान दूसरे मुसलमान पर भी भरोसा नहीं करता।

आख़िर ऐसा क्यों हुआ?

और अगर यह बुराई हमारे अंदर है तो इसे खत्म कैसे किया जाए?

आइए, ज़रा सोचते हैं।

आज कुछ मुसलमान यह सोचते हैं कि "हम मुसलमान हैं, अल्लाह के आख़िरी पैग़ंबर हमारी सिफ़ारिश करेंगे और हमारे सारे गुनाह माफ़ हो जाएंगे, हमें जन्नत में दाख़िल कर दिया जाएगा।"

कुछ लोग ऐसे भी हैं जो नमाज़ पढ़ते हैं, हज भी कर चुके हैं, ज़कात भी देते हैं... लेकिन झूठ और धोखा उनकी फ़ितरत में बैठ गया है। वे सोचते हैं कि "हमारी नमाज़, रोज़ा, ज़कात और हज हमें बचा लेंगे।"

लेकिन यह शैतान का सबसे बड़ा धोखा है।

ज़रा सोचिए –

आपने किसी का पैसा धोखे से या झूठ बोलकर खा लिया, चाहे किसी भी तरीके से लिया हो। आप नमाज़ी भी हैं, हाजी भी हैं, ताहज्जुद गुज़ार भी हैं। क़यामत के दिन जब आपका हिसाब हो रहा होगा और आपके बारे में जन्नत का फैसला होने वाला होगा, तभी कुछ लोग आएंगे और अल्लाह से कहेंगे: "ऐ अल्लाह! इसने दुनिया में हमारा इतना-इतना माल खा लिया था।"

अल्लाह फ़रमाएगा: "इसके अच्छे अमल में से इन्हें दे दो।"

फिर और लोग आएंगे, उनके भी हक़ लिए जाएंगे। और जब इसके सारे अच्छे अमल खत्म हो जाएंगे और अभी भी लोगों के दावे बाकी रहेंगे, तो वे लोग अपने गुनाह इस पर डाल देंगे। और फिर इस इंसान का फैसला जहन्नम के लिए कर दिया जाएगा।

अब बताइए! क्या उसकी नमाज़, रोज़ा, ज़कात और हज उसके काम आए?

और रही उन लोगों की बात जो सोचते हैं कि "हमें तो अल्लाह के आख़िरी पैग़ंबर की शफ़ाअत मिल जाएगी", तो उन्हें यह भी सोचना चाहिए कि जब वे अल्लाह के आख़िरी पैग़ंबर की बताई हुई ज़िंदगी के मुताबिक नहीं जी रहे, तो उनकी शफ़ाअत उनके लिए कैसे होगी?

यह बहुत सोचने का मौक़ा है!

अल्लाह तआला हमें अमल करने की तौफ़ीक़ दे। आमीन।

-मुहम्मद सोहैल

मेहनत या तक़दीर ? ज़िन्दगी का सबसे बड़ा सवाल

इंसान की ज़िन्दगी दो चीज़ों पर चलती है – तक़दीर और मेहनत। हम बचपन से सुनते आए हैं कि "तक़दीर में जो लिखा है, वही होगा", और ये बात बिलकुल सही है। लेकिन बहुत से लोग तक़दीर का गलत मतलब ले लेते हैं। कुछ लोग तक़दीर के भरोसे पर बैठ जाते हैं और मेहनत ही छोड़ देते हैं, जबकि कुछ लोग मेहनत में इतने मशगूल हो जाते हैं कि तक़दीर और अल्लाह को भूल जाते हैं, फिर नतीजों को लेकर तनाव में रहने लगते हैं। यही मसला हर इंसान की ज़िन्दगी में किसी न किसी रूप में आता है। आज हम इसी पर बात करते हैं।

तक़दीर का सही मतलब

तक़दीर का मतलब यह नहीं कि इंसान मजबूर है। इसका सही मतलब है कि अल्लाह तआला हर चीज़ को पहले से जानता है और अपनी हिकमत से लिख देता है।

कुरआन में साफ़ फरमाया गया:

"हमने हर चीज़ को एक तय माप और तक़दीर के साथ पैदा किया।" (क़मर: 49)

मगर याद रखिए, अल्लाह ने इंसान को इख़्तियार यानी चॉइस दी है। हमें रास्ता चुनने की आज़ादी है और उसी के मुताबिक़ हमारा हिसाब होगा।

मेहनत की अहमियत

कुरआन में अल्लाह तआला फरमाता है:

"इंसान को वही मिलेगा जिसकी उसने कोशिश की।" (नज्म: 39)

आखरी पैगम्बर ने भी फरमाया:

"मजबूत मोमिन कमज़ोर मोमिन से बेहतर और प्यारा है। जिस चीज़ से तुम्हें फायदा हो, उसे हासिल करने की कोशिश करो, अल्लाह से मदद मांगो और मायूस मत हो।" (मुस्लिम)

यानि मेहनत छोड़ना इस्लाम में जायज़ नहीं, बल्कि कोशिश करना भी ईमान का हिस्सा है।

तक़दीर और कोशिश का ताल्लुक़

कोशिश करना दरअसल तक़दीर का हिस्सा ही है। जो इंसान मेहनत करता है, वही अपनी लिखी हुई क़िस्मत को पाता है।

आखरी पैगम्बर से सहाबा ने पूछा: "क्या हम कोशिश छोड़ दें और सिर्फ तक़दीर पर भरोसा कर लें?"

तो आपने फरमाया:

"नहीं! कोशिश करो, हर एक को उसी के लिए आसान कर दिया गया है जिसके लिए उसे पैदा किया गया है।" हमें किन गलत सोच से बचना चाहिए?

1. सिर्फ तक़दीर पर भरोसा करके मेहनत छोड़ देना।

2. सिर्फ मेहनत पर घमण्ड करके अल्लाह को भूल जाना।

सही रास्ता ये है कि मेहनत करो, दुआ करो और नतीजा अल्लाह पर छोड़ दो।

इस्लाम का पैग़ाम साफ़ है – तक़दीर को मानो लेकिन कोशिश मत छोड़ो। मेहनत इंसान का फ़र्ज़ है और नतीजा अल्लाह के हाथ में है। यही बैलेंस इंसान को मायूसी से भी बचाता है और घमण्ड से भी।

-मुहम्मद सोहैल

इस्लामिक कैलेंडर की इब्तिदा

हमारे माशरे में कैलेंडर की बड़ी अहमियत है। कैलेंडर के जरिए हमको दिन, हफ्ते, महीनों और साल का पता चलता है। दुनिया की तमाम जानकारी हालात व वाक्यात का पता हमको कैलेंडर से ही पता लगता है। कब कौन-सा वाक्या, कब किस सन व तारीख में वाक्या हुआ था। दुनिया की कौमों के अलग-अलग कैलेंडर हैं, जो उन्होंने अपने रिवायात और रुनुमा होने वाले हालात व वाकिआत के मुताबिक तैयार कर रखे हैं और उसके मुताबिक अमल करते और अपने त्यौहारों और रस्मो रिवाज निभाते हैं। इन तमाम कैलेंडरों में इस्लामी कैलेंडर की खास अहमियत है। इसकी यह खासियत इसलिए है कि इस कैलेंडर का ताल्लुक चांद से जुड़ा हुआ है, इसलिए इस कैलेंडर को कमरी कैलेंडर भी कहा जाता है। चांद अल्लाह तआला की एक मखलूकात में से एक मखलूक है। चांद अल्लाह तआला की अजीम निशानियों में से एक निशानी है। अल्लाह तआला ने चांद को सिर्फ रोशनी के लिए ही तखलीक नहीं फरमाया, बल्कि इसकी तखलीक के और भी मकासिद हैं। उनमें से एक माह साल को मालूम करने का एक जरिया भी है।

कुरआन मजीद में सूरत बकराह की आयत 189 में चांद के मुताल्लिक अल्लाह तआला का फरमान है जिसका तर्जुमा है कि "लोग आपसे नए महीनों के चांद के बारे में पूछते हैं। आप उन्हें बता दीजिए कि यह लोगों के लिए (पैमाना) औकात और हज के वक्त मुतउय्यन करने के लिए है"। इसी से कर्ज वगैराह और लोगों के वादों की मुकर्रर करदा मियाद मालूम होती है। औरतों की इद्दत का वक्त मालूम होता है। इसी से हमारे रोज़े की इफ्तार का भी ताअल्लुक है। मुसनद अब्दुल रज़ाक़ में हज़रत अब्दुल्ला बिन उमर रज़ि. अ. से रिवायत है कि रसूल अल्लाह स. अ. ने फरमाया कि अल्लाह तआला ने चांद को लोगों को वक्त मालूम करने के लिए बनाया है। इसे देखकर रोज रखो, इसे देखकर ईद मनाओ, अगर अब्र व बारिश की वजह से चांद ना देख सको तो 30 दिन पूरे कर लिया करो। इस रिवायत को इमाम हाकिम ने भी सही कहा है। (तफसीर इब्ने कसीर)

कुरआन मजीद में साल के बारह महीनों का जिक्र सुरह तौबा की आयत नंबर 36 में आया है जिसका तर्जुमा है कि "बेशक तादाद महीनों की अल्लाह के नजदीक बारह है जो अल्लाह की किताब (लोहे महफूज) के मुताबिक उस दिन से चली आ रही है जिस दिन अल्लाह ने आसमानों और जमीन को पैदा किया। उनमें चार हुरमत वाले यानि अदब के महीने हैं"। इस आयत से साफ जाहिर है कि महीनों की तादाद बारह है। चांद की मनाज़िल के हिसाब से हर महीना या तो 29 दिन का होता है या 30 दिन का। चूँकि इन महीना का तआल्लुक चांद से होता है इसलिए इन्हें क़मरी महीना और क़मरी साल कहा जाता है।

क़ुरआन मजीद आयत से यह साबित हो जाता है कि चांद की इस्लामी एहकामात और तालीमात का अहम जरिया है और इसके मुताबिक अहले इस्लाम को सरअयी हुक्म बजा लाना लाजमी व जरूरी है। इस्लामी बारह महीनों के नाम इस तरह हैं-1. मोर मुहर्रमुल हराम, 2. सफरुल मुजफ्फर, 3. रबी उल अव्वल, 4. रबी उल आखिर, 5. जमादीउल अव्वल, 6. जमादीउल आखिर, 7. रजबुल मुरज्जब, 8. शाबानुल मुअज्जम, 9. रमजानुल मुबारक, 10. शव्वालुल मुकर्रम, 11. जीक़ादह, 12. ज़िल हिज्ज़ा।

अफसोस इस बात पर है कि हम मुसलमान सिर्फ दो या तीन महीनों के नाम ही जानते हैं। हमारा एक बड़ा तबका इस्लामी महीनों के नाम से नावाकिफ हैं। इस्लाम की तारीखी वाकिआत को जानना तो बहुत दूर की बात है। मुफ्ती अब्दुल मुनइम का कहना है कि "छोटे बच्चे हों या बड़े, तालीम याफ़्ता हों या गैर तालीम याफ़्ता इस्लामी कैलेंडर की रोज़ाना की तारीखों से बिल्कुल गाफिल रहते हैं। एक टेलीविजन शो में बहस के दौरान एक मुस्लिम नौजवान से पूछा गया कि उस महीने का नाम बताएं जिसमें मुसलमान हज का फरीजा अदा करते हैं तो उसे नौजवान ने सर झुका कर शर्माते हुए बस इतना ही कहा कि मुझे रमजान और रबीउल अव्वल का महीना याद है बाकी महीनों के नाम मालूम नहीं हैं"।

लिहाजा हमको चाहिए कि हम अपने बच्चों को इस्लामी कैलेंडर के मुताबिक महीनों के नाम से वाकिफ कराएं। ताकि वे अपनी ज़िंदगी में इस्लामी कैलेंडर के मुताबिक इस्लामी इबादत और हम पर हर माह में लाजिम फ़राइज़ की जानकारी हासिल करके उन पर अमल कर सकें।

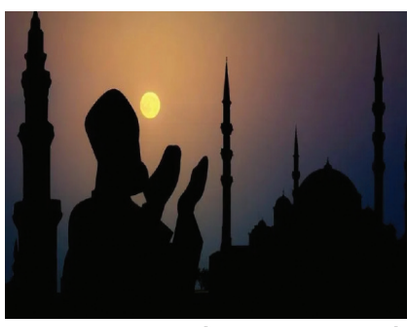

इस्लामिक कैलेंडर की शुरुआत कैसे हुई इसके बारे में मुफ्ती मुनइम फरमाते हैं कि "इस्लामी कैलेंडर से पहले अरब के लोग वाकिआत का सहारा लिया करते थे। जैसे आमुलफीलका का वाकिआ। लेकिन जब इस्लामी फुतुहात का सिलसिला बढ़ा और मुखतलिफ मुमालिक में गवर्नर मुकर्रर हुए तो उनसे खतों किताबत शुरू होने लगी और अहवालों वाकफियत के और हिदायत के लिए खुतूब भेजे जाने लगे तो उस वक्त तारीख व सन की जरूरत महसूस की गई" चुनांचे हज़रत उमर फ़ारूक़ रज़ि. अ. के दौरे खिलाफत में सैयदना अबू मूसा अशअरी रज़ि. अ. आप (हज़र तउमर रज़ि. अ.) ने खत लिखा कि आपकी तरफ से हुकुमत के मुखतलिफ इलाकों में खुतूत रवाना किये जाते हैं, मगर पर कोई तारीख दर्ज नहीं होती है। हालाकि तारीख लिखने के बेशुमार फवाइद हैं और रिकार्ड के महफूज़ रखने में इससे काफी मदद और सहूलियत होती है। मसलन हुकुमनामा कब जारी हुआ था, उस पर अमल कब से और कब तक अमल किया जाये। सैयदना उमर फ़ारूक़ रज़ि. अ. ने जब इस खत को पढ़ा तो इस खत को खूब सराहा और बहुत पसंद फ़रमाया।

चुनांचि आप रज़ि. अ. ने इस पर गौरो फ़िक्र और मशवरे के लिए अकाबिर सहाबा रज़ि. अ. को तलब फरमाया और उनके सामने सैयदना अबू मूसा अशअरी रज़ि. अ. की बात रखी। जब सबने इस तजवीज़ को पसंद फरमाया तो सैयदना फारूक रज़ि. अ. व. ने सबसे राय तलब की की इस्लामी कैलेंडर व तकवीम की बुनियाद कैसे रखी जाए और कहां सन इस्लामी की शुरुआत की जाए, इस सिलसिले में चार किस्म की राय सामने आईं (1) बाज़ हजरात ने राय दी कि रसूल स. अ. व. की विलादत बासआदत के साल से इस्लामी कैलेंडर व तकवीम का आगाज किया जाए, (2) दो बाज हजरात ने रसूल स. अ. व. को नबुब्बत से सरफराज किए जाने साल के साल से इस्लामी कैलेंडर को शुरू करने की राय दी, (3) बाजों ने हिजरत नबवी स. अ. व. के साल से इस्लामी कैलेंडर को शुरू करने की राय दी, (4) बाज हजरात ने आप स. अ. व. की वफात के साल से इस्लामी कैलेंडर शुरू किए जाने की राय दी।

इनमें से हर एक राय को सामने रखकर अकाबिर सहाबा के दरमियान बहस व मुब्बाहिसा और खूब गोरों खोज हुआ। आखिर में सैयदना उमर फारूक र. अ. ने फरमाया की विलादत या नबुब्बत की तारीख में दोनों में इख्तेलाफ है, इसलिए यह मुनासिब नहीं है। फिर वफात नबवी से इस्लामी साल का आगाज़ इसलिए मुनासिब नहीं क्योंकि यह साल मुसलमानों के लिए निहायत रंजोगम का है। रहा हिजरत नबवी का साल तो यह सबसे ज्यादा मुनासिब है, क्योंकि तबील मशक्कत और आजमाइश और उसे पर साबित कदमी के बाद हिजरत का हुक्म दिया गया। जो दर असल हक व बातिल के दरमियान वाजेह फर्क व इम्तेयाज़ करना है। ईमान के लिए इसमें आइंदा कामयाबी का पैगाम है, इस्लामी सल्तनत की बशारत है। मस्जिदे नबवी की बुनियाद और उसकी तामीर की खुशखबरी है, सुकून और चैन के साथ इस्लामी एहकाम पर अमल की बशारत है, फतेह मक्का की नवेद (खुशखबरी) है और मुजाहिदात पर कमर बस्ता होने और जानो माल वतन और जायदाद की कुर्बानियों के तुफेल में कामयाबी व कामरानी और फतहो नुसरत की अजीम बशारत है। सैयदना फारूक र. अ. की राय से सब ने इत्तेफाक किया और यहीं से इस्लामी कैलेंडर की शुरुआत हुई"। आज जोकि सन 1447 हिजरी है।

हबीबुल्ला, एडवोकेट
जवाहर नगर, जयपुर

जैसा बाप वैसा बेटा

हज़रत उमर इब्न अब्दुल अज़ीज़ रहमतुल्लाह अलैह एक बहुत इंसाफ़ पसंद बादशाह थे।

एक दिन वह अपने बिस्तर पर लेटे ही थे कि उनका सत्रह साल का बेटा अब्दुल मलिक कमरे में दाख़िल हुआ।

उसने कहा – अमीरुल मोमिनीन! आप क्या करना चाहते हैं ?

फ़रमाया – बेटा, मैं थोड़ी देर सोना चाहता हूँ क्योंकि अब मेरे जिस्म में ताक़त नहीं रही, मैं बहुत थका हुआ हूँ।

बेटे ने कहा – अमीरुल मोमिनीन! क्या आप मज़लूम लोगों की फ़रियाद सुने बिना ही सो जाना चाहते हैं? उनका वह माल जो ज़ुल्म से छीना गया, उन्हें कौन वापस दिलाएगा?

हज़रत उमर इब्न अब्दुल अज़ीज़ रहमतुल्लाह अलैह ने फ़रमाया – बेटा, क्योंकि मैं तुम्हारे चाचा खलीफ़ा सुलेमान की वफ़ात की वजह से गुज़री सारी रात जागता रहा हूँ, थोड़ा आराम करने के बाद, ज़ुहर की नमाज़ अदा करूँगा और उसके बाद मज़लूमों की अरज़ भी सुनूँगा।

बेटे ने कहा – अमीरुल मोमिनीन! इसकी कौन ज़मानत देता है कि आप ज़ुहर तक ज़िंदा रहेंगे ?

बेटे की यह बात सुनकर हज़रत उमर इब्न अब्दुल अज़ीज़ रहमतुल्लाह अलैह तड़प उठे। आँखों से नींद जाती रही, थकावट दूर हो गई और जिस्म में दोबारा ताक़त लौट आई।

फिर आपने फ़रमाया – बेटा! ज़रा मेरे क़रीब आओ। बेटा क़रीब हुआ तो उसे गले लगाकर पेशानी को चूमा और फ़रमाया –

अल्लाह का शुक्र है जिसने मुझे ऐसा नेक फ़र्ज़ंद अता किया जो दीनी मामलों में मेरी मदद करता है।

फिर आप उठे और हुक्म दिया कि यह एलान कर दिया जाए कि जिस पर कोई ज़ुल्म हुआ है, वह अपना मुक़दमा ख़लीफ़ा के सामने उसी वक़्त पेश करे।

चुनाँचा मुक़दमे पेश किए गए और आपने इंसाफ़ के मुताबिक़ फ़ैसला किया।

देखिए, अब्दुल मलिक ने किस तरह अपने वालिद को एक अच्छे काम पर तवज्जोह दिलाई और यह साबित किया कि अच्छी परवरिश से औलाद भी नेकी के रास्ते पर चलती है।

तो देखा आपने, हज़रत उमर इब्न अब्दुल अज़ीज़ रहमतुल्लाह अलैह ने अपनी औलाद की कितनी अच्छी तर्बियत की थी।

हमें भी अपनी औलाद की ऐसी ही नेक तर्बियत करनी चाहिए।

दूसरा सबक़ यह मिला कि गया वक़्त फिर हाथ नहीं आता,

इसलिए अच्छे कामों में कभी देर नहीं करनी चाहिए।

मुस्लिम रिश्ते

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में मुस्लिम रिश्तों में विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें -

मोबाइल: 9772552446, 9799559096

मुस्लिम पठान खूबसूरत लड़की 33/154 सेमी./एम.ए. (इंग्लिश लिटरेचर)/ प्राइवेट कम्पनी में कार्यरत/ दीनी तालीम याफ़्ता, घर के कामों में दक्ष। वालिद प्राइवेट कम्पनी से रिटायर्ड, जयपुर की प्रतिष्ठित फैमिली। सुयोग्य पढ़ा-लिखा, सर्विस क्लास/ बिजनेसमेन लड़का चाहिए। इच्छुक संपर्क करें- 9672079550

Sunni Muslim Girl 32/5.3"/B. Tech in Electronics & Communications/Working in Semi Govt. Deptt./Deeni Taleem yafta/Homely girl. Father retd. from Indian Railway. Well educated and reputed family of Jaipur. Need religious, well educated and settled boy from well reputed family. Contact: 9828453954

Muslim Qureshi Caste Girl 34/5.6"/ Ph.D (Business Management)/MBA (HR & Marketing)/At present an Assistant Professor/Namazi and well versed in Quran. Jaipur based reputed family. Father Businessman. Seeking an educated Sunni Muslim religious boy from reputed family. Interested person contact: 9314966151

चूरू (राजस्थान) निवासी सुन्नी मुस्लिम पठान खान, दीनी तालीम याफ़्ता लड़की 24/5.2"/ एम एस सी (फिजिक्स)/ रंग फेयर, बैंक एग्जाम की तैयारी कर रही है, हेतु सुयोग्य पढ़े - लिखे, सेटल्ड मुस्लिम युवक को प्राथमिकता । इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे - मोबाइल: 97851 62654

30/5.3"/ पोस्ट ग्रेजुएट व 27/5.3"/ ग्रेजुएट / दीनी तालीम याफ़्ता, नमाज़ी/ जयपुर निवासी रेप्यूटेड फैमिली। दोनों बैंक में कार्यरत मुस्लिम सैयद युवकों के लिए खूबसूरत, ग्रेजुएट , घर के काम में दक्ष अच्छे घराने की लड़कियां चाहिए। इच्छुक व्यक्ति लड़कियों का बायो डाटा व्हाट्सएप्प करें - 97995 59096

सैयद मुस्लिम युवती 23/5.5"/ बी ए/खूबसूरत, गृह कार्य में दक्ष व दीनी तालीम याफ़्ता सवाई माधोपुर की प्रतिष्ठित फैमिली हेतु खूबसूरत, दीनदार, नौकरीपेशा/बिजनेसमैन प्रतिष्ठित फैमिली के युवक की आवश्यकता है । संपर्क करें - +91 96369 22143

29 Years Old MBBA Doctor, Working in Dehli ,

Kota Based Family,Needs MBBS Girls. Contact - 9829068455

Kota Based, 31/5.3/B.tech, PG Diploma in Banking, MBA in Finance, BSTC, Experience 3 years in ICICI Bank [Special Officar], Sunni Muslim Rangrez Girl. Father - Princeipal, Mother- House Wife, One Younger brothers. Required Educated, Honest life Partner Contact – 9829068455

राजस्थान उच्च न्यायालय कार्यालय चपरासी भर्ती- 2025 ऑनलाइन आवेदन करें

राजस्थान उच्च न्यायालय भर्ती 2025 में कार्यालय चपरासी के 5670 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। 10वीं पास उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन 27-06-2025 को शुरू होगा और 26-07-2025 को बंद होगा। उम्मीदवार राजस्थान उच्च न्यायालय की वेबसाइट hcraj.nic.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आयु सीमा :
(01.01.2026 को 18 से 40 वर्ष) [आरक्षित उम्मीदवारों के लिए छूट लागू है]: 02.01.1986 से पहले और 01.01.2008 के बाद न जन्मे हों (दोनों तिथियां सम्मिलित हैं)

योग्यता:
मैट्रिकुलेशन (10वीं) उत्तीर्ण + राजस्थानी संस्कृति का ज्ञान।

फीस:
सामान्य उम्मीदवारों के लिए 650/- रुपये, ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर)/ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए 550/- रुपये और एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के लिए 450/- रुपये। फीस का भुगतान डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/नेट बैंकिंग/यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन किया जाना चाहिए।

चयन प्रक्रिया:
राजस्थान उच्च न्यायालय (HCRAJ) भर्ती 2025 में चपरासी के पदों के लिए चयन नीचे दिए गए आधार पर किया जाएगा:
लिखित परीक्षा
साक्षात्कार
दस्तावेज़ सत्यापन
चिकित्सा परीक्षण
वेतनमान: रु. 17700 – रु. 56200/-

महत्वपूर्ण तिथियां:
प्रारंभ तिथि: 27.06.2025
समापन तिथि: 26.07.2025 (अपराह्न 05:00 बजे तक)
भुगतान की अंतिम तिथि: 27.07.2025

आवेदन कैसे करें:
योग्य/इच्छुक उम्मीदवार 27.06.2025 से 26.07.2025 तक - 05:00 बजे तक नीचे दिए गए लिंक का उपयोग करके आवेदन कर सकते हैं।

रेलवे में अप्रेंटिस के 374 पदों पर निकली भर्ती; 10वीं पास को मौका

भारतीय रेलवे ने बनारस लोकोमोटिव वर्क्स के लिए 374 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट apprenticeblw.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
05 जुलाई से 05 अगस्त 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्स :
बनारस लोको मोटिव वर्क्स आईटीआई : 300
बनारस लोको मोटिव वर्क्स नॉन आईटीआई : 74
कुल पदों की संख्या : 374

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
आईटीआई : 10वीं पास, संबंधित ट्रेड में ITI सर्टिफिकेट प्राप्त
नॉन आईटीआई : न्यूनतम 50% अंकों के साथ 10वीं पास

एज लिमिट :
नॉन आईटीआई : अधिकतम 22 साल
आईटीआई : अधिकतम 24 साल

फीस :
एससी, एसटी, पीएच, महिला : निःशुल्क
अन्य : 100 रुपए
स्टाइपेंड : रेलवे बोर्ड/लेबर मिनिस्ट्री इंस्ट्रक्शन के अनुसार

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट apprenticeblw.in पर जाएं।

PGIMER चंडीगढ़ ने 114 पदों पर निकाली भर्ती; एज लिमिट 35 साल

PGIMER चंडीगढ़ ने ग्रुप बी और सी के 100 से ज्यादा पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट cdn.digialm.com पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू:
04 जुलाई से 04 अगस्त 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार 12वीं पास, बीएससी नर्सिंग की डिग्री, 1 साल का अनुभव, एलएलबी के साथ 3 साल का अनुभव, ग्रेजुएशन की डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 35 साल

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

सैलरी :
35,400 - 1,42,400 रुपए प्रतिमाह

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 1500 रुपए
एससी, एसटी : 800 रुपए
दिव्यांग : निःशुल्क

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट cdn.digialm.com पर जाएं।
होम पेज पर अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।
मांगे गए डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करके फीस जमा करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

AIIMS दिल्ली सामान्य भर्ती परीक्षा 2025 के लिए आवेदन करें

-2300 वैकेंसी, 10वीं-12वीं पास करें अप्लाई

ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल (AIIMS) ने नॉन-फैकल्टी ग्रुप B और C पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए परीक्षा का आयोजन 25 अगस्त 2025 एवं 26 अगस्त 2025 को किया जाएगा। यह भर्ती टेक्नीशियन, असिस्टेंट, क्लर्क, लैब अटेंडेंट, डेटा एंट्री ऑपरेटर, असिस्टेंट इंजीनियर, लाइनमैन, ड्राफ्ट्समैन ग्रेड-III फार्मासिस्ट आदि जैसे पदों पर होगी।

आवेदन शुरू:
12 जुलाई लास्ट डेट 31 जुलाई

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार 10वीं, 12वीं पास, पद के अनुसार संबंधित क्षेत्र में इंजीनियरिंग की डिग्री, एमएससी, ग्रेजुएशन, एमबीए, पीजी डिग्री, डिप्लोमा, वर्क एक्सपीरियंस।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 35 साल
एससी, एसटी : 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट
पीडब्ल्यूबीडी : 10 साल की छूट

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
स्किल टेस्ट

फीस :
सामान्य, ओबीसी : 3000 रुपए
एससी/एसटी/ईडब्ल्यूएस : 2400 रुपए

एग्जाम पैटर्न :
सब्जेक्ट : जनरल नॉलेज एंड एप्टीट्यूड, नॉलेज ऑफ कंप्यूटर
प्रश्नों की संख्या : 100
टोटल मार्क्स : 400
टाइम ड्यूरेशन : 90 मिनट

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट aiimsexams.ac.in पर जाएं।
होम पेज पर रिक्रूटमेंट बटन पर क्लिक करके 'Common Recruitment Examination (CRE)' नोटिफिकेशन पर क्लिक करें।
मांगी गई डिटेल्स दर्ज करके रजिस्ट्रेशन करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

RSSB लैब अटेंडेंट भर्ती 2025 - 54 पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB) ने लैब अटेंडेंट के 54 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। अन्य योग्यता वाले उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन 11-07-2025 से शुरू होकर 09-08-2025 तक चलेगा। उम्मीदवार RSSB की वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
11 जुलाई से 09 अगस्त 2025 तक

योग्यता
लैब अटेंडेंट की इस नई भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सैकेण्डरी (10वीं) या इसके समकक्ष परीक्षा में पास होना चाहिए। इसके अलावा उम्मीदवारों को देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी में कार्य करने का ज्ञान एंव राजस्थान की संस्कृति की नॉलेज होनी भी जरूरी है। अन्य योग्यताओं में अभ्यर्थी को अच्छे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का होना चाहिए।

एज लिमिट
आयुसीमा-1 जनवरी 2026 को अभ्यर्थियों की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष पूरी होनी चाहिए। वहीं अधिकतम उम्र 40 वर्ष पूरी नहीं की हो। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार ऊपरी उम्र में छूट मिलेगी।

सैलरी-
लैब अटेंडेंट के पद पर चयनित अभ्यर्थियों को राज्य सरकार द्वारा सातवें वेतनमान के अनुसार पे मैट्रिक्स लेवल-1 के मुताबिक सैलरी दी जाएगी। परिवीक्षा काल में मासिक नियत पारिश्रामिक राज्य सरकार के आदेशानुसार देय होगा।

चयन प्रक्रिया-
लिखित परीक्षा, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, मेडिकल आदि चरणों के जरिए अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

आवेदन शुल्क-
इस भर्ती का फॉर्म भरने के लिए उम्मीदवारों को सामान्य वर्ग व क्रीमीलेयर के अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 600 रुपये आवेदन शुल्क देना होगा। वहीं ओबीसी/अति पिछड़ा वर्ग और ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को 400 रुपये एप्लीकेशन फीस देनी होगी। सभी दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को 400 रुपये का भुगतान करना होगा।

आवेदन समाप्त होने के बाद बोर्ड द्वारा इन पदों पर लिखित परीक्षा की तारीखें घोषित की जाएगी। राजस्थान की इस भर्ती से जुड़ी अन्य किसी भी जानकारी के लिए अभ्यर्थी राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट विजिट कर सकते हैं।

इमरजेंसी के हालात में क्या ड्रोन से होगी ब्लड डिलीवरी? ट्रायल से जगी उम्मीदें

-लेकिन चुनौतियों से भी सामना

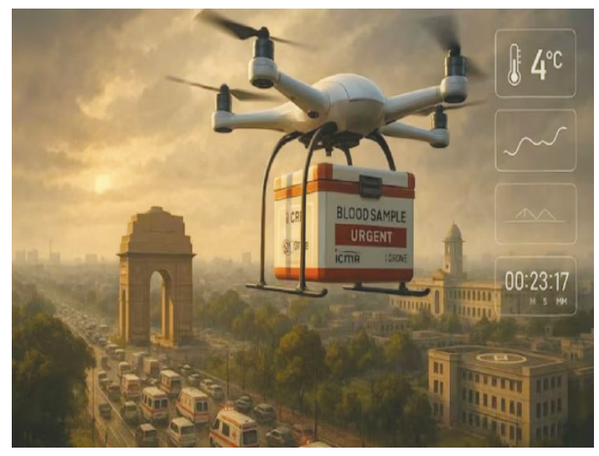

भारत में हेल्थकेयर सेक्टर में तकनीकी नवाचार की दिशा में एक बड़ा कदम देखा जा रहा है—ड्रोन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल ब्लड और जरूरी मेडिकल सप्लाई की डिलीवरी के लिए। खासकर ग्रामीण या दूरदराज़ इलाकों में जहां सड़क परिवहन बाधित हो सकता है या उपलब्ध ही नहीं होता, वहां ड्रोन एक जीवनरक्षक भूमिका निभा सकते हैं। हाल के वर्षों में भारत के विभिन्न हिस्सों में ड्रोन द्वारा ब्लड डिलीवरी के सफल ट्रायल हुए हैं, जिससे इस तकनीक को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं। हालांकि, इसके व्यापक उपयोग के रास्ते में कई बड़ी चुनौतियां भी मौजूद हैं।

ड्रोन डिलीवरी का उद्देश्य
ड्रोन टेक्नोलॉजी का उद्देश्य है – समय की बचत, आपातकालीन स्थिति में तेज़ डिलीवरी और कठिन भौगोलिक क्षेत्रों तक चिकित्सा संसाधनों की पहुँच सुनिश्चित करना। अक्सर देखा गया है कि सड़क मार्ग से ब्लड यूनिट्स या प्लाज्मा को भेजने में काफी वक्त लग जाता है, जिससे मरीज की जान जोखिम में पड़ जाती है। इस समस्या को हल करने के लिए ड्रोन एक त्वरित और सटीक समाधान के रूप में उभरे हैं।

सफल ट्रायल और उनकी उपलब्धियां
भारत सरकार और कुछ प्राइवेट संस्थानों ने मिलकर ड्रोन के जरिए ब्लड डिलीवरी के कई ट्रायल किए हैं। उदाहरण के लिए: 2021 में तेलंगाना राज्य में 'मेडिसिन फ्रॉम द स्काई' नामक प्रोजेक्ट के अंतर्गत ड्रोन से वैक्सीन, ब्लड और अन्य मेडिकल उपकरणों की सफल डिलीवरी की गई थी। कर्नाटक और उत्तराखंड में भी ब्लड यूनिट्स को सीमित दूरी पर सफलतापूर्वक पहुंचाया गया है। कुछ मामलों में ड्रोन ने 30-40 मिनट की दूरी को महज़ 10-15 मिनट में कवर किया। इन ट्रायल्स ने यह साबित किया है कि ड्रोन तकनीक तेज़, सुरक्षित और प्रभावी हो सकती है – विशेष रूप से जब मरीज की जान बचाने के लिए हर सेकंड अहम होता है।

तकनीकी पहलुओं की बात करें तो...
ड्रोन द्वारा ब्लड या अन्य बायोलॉजिकल सैंपल की डिलीवरी के लिए विशेष प्रकार के बॉक्स का उपयोग किया जाता है, जो तापमान नियंत्रित होते हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि ट्रांसपोर्ट के दौरान ब्लड की गुणवत्ता में कोई कमी न आए। ड्रोन में GPS, ऑटो-पायलट फीचर, लाइव ट्रैकिंग और इमरजेंसी लैंडिंग सिस्टम जैसे एडवांस फीचर भी शामिल होते हैं, जिससे उनकी विश्वसनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

चुनौतियाँ – उम्मीदों की राह में रोड़े
जहाँ ड्रोन डिलीवरी का भविष्य उज्ज्वल दिखता है, वहीं इसके सामने कई अहम चुनौतियाँ भी खड़ी हैं: रेगुलेटरी बाधाएं: भारत में ड्रोन उड़ाने के लिए डीजीसीए (DGCA) से विशेष अनुमति लेनी पड़ती है। साथ ही, एयर ट्रैफिक में बाधा न पहुंचे, इसके लिए विशेष निगरानी की आवश्यकता होती है। तकनीकी सीमाएँ: अत्यधिक वर्षा, तेज़ हवा, या खराब मौसम में ड्रोन उड़ाना जोखिमभरा हो सकता है। इसके अलावा बैटरी की सीमित क्षमता के कारण ड्रोन की दूरी भी सीमित रहती है। लॉजिस्टिक इन्फ्रास्ट्रक्चर: ग्रामीण क्षेत्रों में ड्रोन की लैंडिंग और टेक-ऑफ के लिए आवश्यक जगह और उपकरणों की कमी एक बड़ी बाधा है। ट्रेनिंग और संचालन: ड्रोन उड़ाने के लिए प्रशिक्षित पायलट और संचालन टीम की ज़रूरत होती है। भारत में फिलहाल इस क्षेत्र में स्किल्ड मैनपावर की भारी कमी है। ब्लड सेफ्टी और ट्रांसपोर्ट प्रोटोकॉल: ड्रोन से भेजे जा रहे ब्लड यूनिट्स की गुणवत्ता बनाए रखना सबसे अहम मुद्दा है। ब्लड को विशिष्ट तापमान पर रखना, कंपन या झटकों से बचाना और समयसीमा में डिलीवरी करना ज़रूरी है।

बैंक ऑफ बड़ौदा में 2500 पदों पर भर्ती

बैंक ऑफ बड़ौदा ने लोकल बैंक ऑफिसर के 2500 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट www.bankofbaroda.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
सिलेक्ट किए गए उम्मीदवारों को नियुक्ति के बाद न्यूनतम 3 वर्षों की सेवा देना जरूरी होगा। इसके लिए उन्हें पांच लाख रुपए का एक बॉन्ड भरना होगा।
यदि कोई उम्मीदवार इस निर्धारित सेवा अवधि से पहले इस्तीफा देता है या अनुबंध की शर्तों का पालन नहीं करता है तो उसे यह राशि बैंक को चुकानी होगी।
यह शर्त बैंक द्वारा दी जाने वाली ट्रेनिंग, संसाधनों और भर्ती प्रक्रिया की लागत को ध्यान में रखते हुए लागू की गई है।

आवेदन शुरू :
04 जुलाई से 24 जुलाई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री
एक साल का अनुभव
स्थानीय भाषा की जानकारी

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 30 साल
एससी, एसटी : अधिकतम उम्र में 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट

सैलरी :
48,480 से 85,920 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन परीक्षा
साइकोमेट्रिक टेस्ट
लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी टेस्ट
ग्रुप डिस्कशन या इंटरव्यू

फीस :
सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 850 रुपए
एससी, एसटी, दिव्यांग : 175 रुपए

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाएं।

इंडियन एयरफोर्स में अग्निवीर वायु भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

इंडियन एयरफोर्स में अग्निवीर वायु भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की शुरुआत 11 जुलाई से होगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट agnipathvayu.cdac.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। इस भर्ती के लिए परीक्षा की तारीख 25 सितंबर 2025 तय की गई है। अग्निवीर वायु का कार्यकाल 4 साल है। इस भर्ती में सेवा निधि योजना के अनुसार लगभग 10.08 लाख मिलेंगे। यह भर्ती अविवाहित महिला और पुरुषों के लिए होगी।

आवेदन शुरू :
11 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
इंटरमीडिएट (12वीं) गणित, भौतिकी और अंग्रेजी में मिनिमम 50% नंबरों के साथ
या मिनिमम 50% अंकों के साथ मैकेनिकल / इलेक्ट्रिकल / इलेक्ट्रॉनिक्स / ऑटोमोबाइल / कंप्यूटर साइंस / इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्नोलॉजी /आईटी में **इंजीनियरिंग का 3 वर्षीय डिप्लोमा**
या किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से भौतिकी और गणित के साथ 2 साल का वोकेशनल कोर्स जिसमें कुल 50% अंक और अंग्रेजी में 50% अंक हों।

एज लिमिट :
17.5-21 साल
आयु 1 जनवरी 2005 से 1 जनवरी 2008 के बीच होनी चाहिए।
आयु में छूट इंडियन एयरफोर्स अग्निवीर वायु इंटेक 1/2026 के नियमानुसार दी जाएगी।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट agnipathvayu.cdac.in पर जाएं।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।

बारिश में क्यों बढ़ जाता है हेपेटाइटिस-ए का खतरा?

-जानिए इसके लक्षण और बचाव के आसान तरीके

बरसात का मौसम राहत और ठंडक तो लाता है, लेकिन साथ ही बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देता है। इस मौसम में दूषित पानी और भोजन के सेवन से पेट संबंधी रोग, वायरल संक्रमण और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियां आम हो जाती हैं। इन्हीं में से एक बीमारी है हेपेटाइटिस-ए, जो बारिश में तेजी से फैलने लगती है। यह बीमारी लीवर को प्रभावित करती है और समय पर ध्यान न देने पर गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। इस लेख में जानेंगे कि बारिश के मौसम में हेपेटाइटिस-ए क्यों बढ़ता है, इसके लक्षण क्या हैं और इससे बचाव कैसे किया जा सकता है।

हेपेटाइटिस-ए क्या है?
हेपेटाइटिस-ए, लीवर में सूजन पैदा करने वाला एक वायरल संक्रमण है, जो हेपेटाइटिस-ए वायरस (HAV) से होता है। यह आमतौर पर दूषित पानी और भोजन के माध्यम से शरीर में पहुंचता है। यह बीमारी संक्रमित व्यक्ति के मल से दूषित पानी या भोजन के संपर्क में आने से फैलती है।

बारिश के मौसम में हेपेटाइटिस-ए **क्यों बढ़ता है?**
पानी का जमाव और प्रदूषण:
बारिश के कारण जगह-जगह पानी भर जाता है और जलजमाव से पानी दूषित हो जाता है। सीवर का पानी भी पीने के पानी में मिल सकता है, जिससे HAV वायरस पानी में पहुंच जाता है।

दूषित भोजन का सेवन:
बारिश में खुले में बिकने वाला खाना और सड़क किनारे के पानी पूरी, चाट आदि में गंदा पानी और संक्रमित हाथों के कारण वायरस फैल सकता है।

स्वच्छता की कमी:
बारिश में नालियों का ओवरफ्लो, साफ-सफाई में लापरवाही और गंदगी के संपर्क में आने से भी वायरस फैलने की संभावना बढ़ जाती है।

फलों और सब्जियों की सफाई न होना:
गंदे पानी से धोई गई सब्जियों और फलों में भी वायरस हो सकता है, और इन्हें बिना सही तरह से धोए या पकाए खाने पर संक्रमण हो सकता है।

हेपेटाइटिस-ए के लक्षण (इन संकेतों से करें पहचान)
हेपेटाइटिस-ए के लक्षण संक्रमण के 14-28 दिन बाद दिखाई देते हैं। इसके मुख्य लक्षण इस प्रकार हैं:

भूख में कमी और मितली:
खाने में मन न लगना और मतली आना।

कमजोरी और थकावट:
बिना काम किए थकान महसूस होना।
बुखार और हल्का दर्द: हल्का बुखार और पेट के दाहिने हिस्से में हल्का दर्द।

पेट में दर्द और सूजन:
खासकर ऊपरी हिस्से में दर्द और असहजता।
पेशाब का रंग गहरा होना: गहरे पीले रंग का पेशाब आना।
त्वचा और आंखों का पीला पड़ना (पीलिया): यह हेपेटाइटिस का प्रमुख लक्षण है।

मल का रंग हल्का होना:
मल का रंग सफेद या हल्का हो जाना।
यदि इन लक्षणों में से कोई भी दिखाई दे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए, ताकि समय रहते इसका इलाज किया जा सके।
हेपेटाइटिस-ए से बचाव कैसे करें?

साफ पानी का सेवन करें:
हमेशा उबाल कर या फिल्टर किया हुआ पानी पिएं। बरसात में नलों का पानी दूषित हो सकता है, इसलिए उसमें सावधानी रखें।

स्वच्छ भोजन का सेवन:
खाने को ढककर रखें और बाहर के खुले भोजन से बचें। सब्जियों और फलों को अच्छी तरह धोकर ही उपयोग करें।

हाथ धोने की आदत:
खाने से पहले, शौचालय जाने के बाद और बाहर से आने के बाद साबुन से हाथ धोने की आदत डालें।

टीकाकरण:
हेपेटाइटिस-ए के लिए वैक्सीन उपलब्ध है। डॉक्टर की सलाह लेकर इसका टीका लगवाया जा सकता है, जिससे इस बीमारी से बचाव संभव है।

शौचालय की स्वच्छता बनाए रखें:
घर में स्वच्छता पर ध्यान दें और गंदगी को तुरंत साफ करें। बच्चों को भी स्वच्छता की आदत सिखाएं।

बाहर के पानी से परहेज:
बरसात के मौसम में बाहर बिकने वाले नींबू पानी, गन्ने के रस और अन्य पेय पदार्थों के सेवन से बचें, क्योंकि इनमें दूषित पानी का प्रयोग हो सकता है।

इलाज कैसे होता है?
हेपेटाइटिस-ए का कोई विशेष इलाज नहीं है, लेकिन शरीर को आराम, पौष्टिक आहार और साफ पानी देने से मरीज धीरे-धीरे ठीक हो सकता है। इसके लिए डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाएं ली जाती हैं, जो लक्षणों को कम करने में मदद करती हैं। कुछ हफ्तों में मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो सकता है। मरीज को आराम करना, पानी की कमी न होने देना और हल्का, सुपाच्य भोजन करना चाहिए।

आवश्यकता

हेल्पर स्टाफ की जरूरत है जिन्हें लोहे का काम आता हो या पावर प्रेस का काम आता हो कांटेक्ट करें: +91900187 6353 सैलरी काम देखने के बाद में डिसाइड की जाएगी ! इदरीश अहमद साहब ईदगाह दिल्ली रोड जयपुर

वॉटर R O और एयर कंडीशनर इंस्टॉलेशन / के लिए स्टाफ की जरूरत है जिस स्टाफ को काम आता है वहीं स्टाफ अप्लाई करें जॉब लोकेशन : सोडाला, सी स्कीम जयपुर सैलरी : 16 से ₹25,000 तक कॉल @ HR इरफान अख्तर 9828 733 222

राजा पार्क में Alibaba.com Executive और फोटोग्राफर की जरूरत है ! जॉब लोकेशन : राजा पार्क कांटेक्ट करें! 9828733222

फ्लूएंट इंग्लिश बोलने वाली मेल फीमेल स्टाफ की जरूरत है जो मॉर्निंग में ऑफिस जाकर पूजा पाठ करके अपना काम स्टार्ट कर सके !
सैलरी 18k से ₹ 25000
जॉब लोकेशन : सी स्कीम - जयपुर की नामी गिरामी कंपनी है
फिलहाल 10 स्टाफ की जरूरत है
HR Irfan Akhtar 9828733222

हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री के लिए हैंडीक्राफ्ट कर्मी (हैंडीक्राफ्ट आर्टिस्ट) की जरूरत है जिनको हैंडीक्राफ्ट का पूरा काम आता हो! सैलरी : ₹ 20K से ₹30,000 तक @ HR इरफान अख्तर 9828733222

ज्वेलरी केड डिजाइनर डिजाइनर टीचर की जरूरत है : स्टाफ चाहे तो पार्ट टाइम या फुल टाइम दोनों ही कर सकते हैं जॉब लोकेशन : चार दरवाजा & आदर्श नगर Call at HR 98287-33222

Need A Digital Marketing Expert Staff (SEO + Google + Meta Ads + Shopify + Wordpress) Salary 35K to 50K At Tonk Road - Jaipur HR @ 98287-33222 Limra Foundation

कोई मुस्लिम बहन जो कि बीमार है जिन्हें पैरालिसिस है , उनकी देखभाल में खिदमत करने के लिए समझदार बहन की जरूरत है सैलरी : 5K से ₹ 8,000 तक दिन के महज़ 4 से 5 घंटे निकालने हैं जॉब लोकेशन हांडी पुरा मोहल्ला, आमेर जयपुर कॉल करे - इरफ़ान अख्तर 98287 - 33222

खान साहब के यहां पर डीप फ्रीजर और रेफ्रिजरेटर के टेक्नीशियन स्टाफ की जरूरत है
जिनका काम आता है उनको प्राथमिकता दी जाएगी सैलरी : 15 से ₹25000 तक जॉब लोकेशन : जयपुर कॉल करें @ इरफ़ान अख्तर 9828733222 यह जॉब निशुल्क है अगर आप में से कोई भी शख्स इस जॉब के लिए कोई स्टाफ रेफर करते हैं तो आपको लिमरा फाउंडेशन की तरफ से तोहफा अदा किया जाएगा

लक्ष्यों को योजना व समयबद्ध पूरा करें- बोहरा

-प्रभारी सचिव ने ली जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिले के प्रभारी सचिव टीकमचंद बोहरा ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का आमजन को समय पर लाभ पहुंचाने के लिए सभी विभाग समय और योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें तथा आपसी समन्वय बना कर लक्ष्यों को समय पर पूरा करें। इस दौरान उन्होंने जिले में किए जा रहे नवाचारों को भी सराहा। बोहरा ने यह निर्देश शनिवार सुबह मिनी सचिवालय के सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेते हुए दिए। उन्होंने बैठक में राज्य सरकार की बजट घोषणाओं और फ्लेगशिप योजनाओं के कार्यों की प्रगति की सूक्ष्मता से जानकारी लेते हुए समीक्षा की तथा विलम्बित व कम प्रगति वाले कार्यों के लक्ष्य समय पर अर्जित करने के लिए रणनीति बना कर प्रो-एक्टिव तरीके से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में सभी कार्य गुणवत्तापूर्वक हों तथा कार्यों की जो प्रगति व उपलब्धि कागजों में दर्शित हों वह धरातल पर भी दिखे। उन्होंने वर्षा ऋतु को देखते हुए बाढ बचाव के साथ मिशन "हरियालो राजस्थान" को लेकर जिले में किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी ली। प्रभारी सचिव ने यह भी निर्देश दिए कि ग्रामीणजन को सामान्य सरकारी कामों के लिए ग्राम अधिकारी व पटवारी मुख्यालय पर मिलें। इसके लिए अधिकारी इस प्रभावी मॉनिटरिंग रखें। सरकारी स्कूलों में बच्चों के शैक्षिक स्तर में सतत सुधार लाने के प्रयास हों। इसके लिए बच्चों के स्तर की प्रगति को शिक्षकों की परफोरमेंस को जोड़ा जाए। बैठक में उन्होंने सहरिया जनजाति के लिए करीब पौने छह करोड़ की स्वीकृत राशि से तीरंदाजी एकेडमी का कार्य शीघ्र पूर्ण करने तथा नौ करोड़ के स्वीकृत बजट से रामगढ क्रेटर पर पर्यटन विकास के कार्यों में प्रगति लाने को कहा। उन्होंने बजट घोषणा के तहत विद्युत निगम, जनजाति विकास, सामाजिक न्याय व अधिकारिता, चिकित्सा, जन संसाधन, वाटरशेड, कृषि उपज मंडी, आयुर्वेद, सिंचित क्षेत्र विकास, उद्योग, सार्वजनिक निर्माण, रोडवेज, कृषि, सहकारिता, ग्रामीण विकास, नगर निकाय सहित सभी विभागों से संबंधित कार्यों में प्रगति के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही फ्लैगशिप योजनाओं में खाद्य सुरक्षा योजना, कुसुम योजना, प्रधानमंत्री सिंचाई योजना, आयुष्मान भारत, स्वच्छ भारत मिशन, स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान, मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान, मिशन स्टार्ट डिजिटल एजूकेशन, अटल प्रगति पथ, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, जल जीवन मिशन, अमृत योजना, पंच गौरव, नमो ड्रोन दीदी व सोलर दीदी आदि में जिले में किए जा रहे कार्यों के लक्ष्यों व प्रगति के बारे में जानकारी ली। इस दौरान एडीएम दिवांशु शर्मा ने बताया कि जिले में बाढ बचाव के लिए टीमें मुस्तैद हैं। नवाचार के तहत बाढ संभावित क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं को चिह्नित कर उन्हें पूर्व में सुरक्षित स्थान पर लाया जा रहा है, जिससे आपात स्थिति उत्पन्न न हो। साथ ही सभी विभागों में आपसी समन्वय के लिए ऑनलाइन सूचनाओं के आदान प्रदान करने का सिस्टम विकसित कर लिया गया है, जिससे काम सहजता से पूर्ण हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में जन हितैषी कार्यों को तत्परता से पूरा किया जाएगा। बैठक में जिला परिषद के सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, शाहबाद एडीएम जबर सिंह सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

महिलाओं के हक के लिए हमेशा अग्रिम पंक्ति में मिलूंगी - वर्षा शर्मा

-संगठन में ज्यादा से ज्यादा सक्रिय महिलाओं को मिलेगी प्राथमिकता

फिरोज खान वारसी

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका) । झालरापाटन ब्लॉक काँग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इम्तियाज हुसैन और ब्लॉक काँग्रेस कमेटी की और से झालरापाटन में नगर काँग्रेस कार्यालय पर नवनियुक्त महिला काँग्रेस की जिलाअध्यक्ष वर्षा शर्मा का शॉल ओढ़ाकर पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया । जिसमें ब्लॉक काँग्रेस अध्यक्ष इम्तियाज हुसैन ने कहा कि महिला काँग्रेस में जिलाध्यक्ष के पद पर वर्षा शर्मा किसी परिचय की मोहताज नहीं है । वो वरिष्ठ कांग्रेसी महेश चंद्र वेध की बहू है, वो स्वयं पूर्व में महिला काँग्रेस की ब्लॉक अध्यक्ष रही है एक प्रखर वक्ता है । महिलाओं के हक और सम्मान में हमेशा अग्रिम पंक्ति में खड़ी मिलेंगी, संगठन में कार्यकारिणी में लेकर महिलाओं को उचित मान सम्मान दिलाकर पद पर आसित करना और महिलाओं के हक की लड़ाई में महिला काँग्रेस को जिले में अग्रिम पंक्ति में लाकर महिला काँग्रेस को मजबूती देने का काम करेंगी ।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष वर्षा शर्मा ने कहा कि आप सभी काँग्रेस परिवार के साथियों महिलाओं का मैं इतना मान सम्मान देने के लिए आभार प्रकट करती हूं । मेरी प्राथमिकता जिले में सर्वप्रथम जिला महिला काँग्रेस की कार्यकारिणी बनाकर महिला काँग्रेस को जिले में मजबूती प्रदान करना और फिर पूरे जिले में महिलाओं को आगे संगठन में जगह देना और उनके सम्मान में हमेशा खड़ा रहना मेरी प्राथमिकता रहेगी में पूर्व में भी महिला काँग्रेस की ब्लॉक अध्यक्ष रही हूँ मुझे पता है महिलाओं का राजनीति में उचित स्थान मिलना पहले मुश्किल था । परंतु आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे हैं और मैं उम्मीद ही नहीं आप सभी को ये विश्वास दिलाती हूँ कि जिले में जब भी महिलाओं के हक की लड़ाई काँग्रेस पार्टी के द्वारा लड़ी जाएगी वर्षा शर्मा सबसे आगे खड़ी मिलेगी। आपको आगे राजस्थान में चुनाव आ रहे हैं चुनाव की तैयारियों में हमें अभी से जुटना होगा और कांग्रेसी को मजबूत बनाकर संगठन को मजबूत बनाकर आगे आने वाले चुनावों में विजय दिलानी होगी ।

वरिष्ठ कांग्रेसी पूर्व नगर अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने वर्षा शर्मा का स्वागत कर कहा कि महिलाओं को आपके कार्यकाल में उचित जगह मिलेगी ऐसी हमें उम्मीद है और महिला कांग्रेस में मजबूती प्रदान होगी।

ब्लॉक काँग्रेस मीडिया प्रभारी व पार्षद मोहम्मद कासिम भट्टी ने कहा कि हमें उम्मीद ही नहीं विश्वास है कि अब तक जो महिला काँग्रेस संगठन में पीछे रही हैं, आपके जिलाध्यक्ष बनने से महिलाओं में एक आशा एक उम्मीद जगी है । आपसे आप उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगी और संगठन को जल्द मजबूती प्रदान करने का कार्य करेंगी यही उम्मीद और आशा है आपसे।

सम्मान समारोह में उपस्थित रहे ब्लॉक काँग्रेस अध्यक्ष इम्तियाज हुसैन, राजेन्द्र शर्मा, चंद्रप्रकाश राठौर, कृष्णा राठौर, अनुभा तिवारी, कालूलाल राठौर, पुरीलाल भील, नंदलाल राठौर, साबिर हुसैन, नरेंद्र प्रिंस, अजहरुद्दीन घोसी, पंकज शर्मा, सुरेश राठौर, विजय शर्मा, इस्माइल अंसारी, जहीर अंसारी, अशोक नागर, रतनलाल मेघवाल, प्रदीप तिवारी, अनीस अगवान, पार्षद नवीन मेघवाल, बालचन्द रावल, रिजवान हुसैन, मो.कासिम भट्टी, पूर्व पार्षद अम्बेश मीणा सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जल भराव क्षेत्रों में पैदल घूमे शिक्षा मंत्री दिलावर, दिए पानी निकासी के निर्देश

डॉ. तोहिद

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। जिले के रामगंजमंडी क्षेत्र में लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण जल भराव और बाढ़ की हालत का निरीक्षण करने शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री तथा रामगंजमंडी के विधायक मदन दिलावर ने शुक्रवार को सुकेत कस्बे के पीलिया खाल में जल भराव क्षेत्र का निरीक्षण किया। दिलावर ने नाले के कारण खेतों और बस्ती में पानी भर जाने के कारण अधिकारियों को नाले को चौड़ा करने के निर्देश दिए। शिक्षा मंत्री सुकेत के यादव कब्रिस्तान से सारा पानी बहकर बस्ती में आ रहा है। मंत्री ने कब्रिस्तान में पानी को रोक कर दूसरी तरफ डायवर्ट करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कस्बे के मेहर मौहल्ला, होली का खूंट समेत अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। मंत्री के साथ मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र व्यास, महिला मोर्चा अध्यक्ष सविता लक्षकार, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विकास यादव, दिव्यांग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मनोहर शर्मा व समेत कार्यकर्ता व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। सातलखेड़ी कस्बे में जल भराव से शुक्रवार को शिक्षा व पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने जायजा लिया। अतिवृष्टि क्षेत्र में मंत्री दिलावर जल भराव को लेकर पीड़ित परिवार से मिले और हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। इस दौरान मंत्री के साथ नगर पालिका के अध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल, नरेंद्र कला, नितिन शर्मा, भाजपा महामंत्री उमेश माहेश्वरी, राजकुमार धाकड़, फौजी ओमप्रकाश मेघवाल, बाबूलाल मेघवाल, सुधीर सुनेजा, सातलखेड़ी पूर्व सरपंच शांति बाई, सरपंच सुषमा गोठवाल, राकेश वर्मा, कमल गोठवाल साथ रहे।

मंगलम् सीमेंट को 5 स्टार रेटिंग का पुरुस्कार मिला

सुकेत/मोरक् गांव, (रॉयल पत्रिका)। इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में केन्द्रीय खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के करकमलों द्वारा कम्पनी अध्यक्ष (ऑपरेशन) सचान, वरिष्ठ संयुक्त अध्यक्ष (ऑपरेशन) पी आर चौधरी, सुनील सहायक उपाध्यक्ष (खानबजरंगलाल तथा उप महाप्रबंधक (जियोलॉजी एवं माइंस) विवेक रावत को 5 स्टार रेटिंग अवार्ड से नवाजा गया। कार्यक्रम भारतीय खान मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। मंगलम सीमेंट द्वारा किये गये उत्कृष्ठ खनन प्रणाली, सतत विकास, सघन वृक्षारोपण, स्थानीय स्तर पर स्थानीय समुदायों को सहयोग एवं समर्थन, सामाजिक उत्तरदायित्व निर्वहन हेतु यह पुरस्कार मिला।

जिला स्तरीय दो दिवसीय शारीरिक शिक्षक संगोष्ठी का समापन

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। जिला स्तरीय माध्यमिक शिक्षा के शारीरिक शिक्षकों की दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन समारोह शनिवार को जय मीनेश आदिवासी विश्वविद्यालय, रानपुर में आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने आश्वस्त किया कि शारीरिक शिक्षकों की समस्याओं को सरकार के समक्ष रखा जाएगा। अध्यक्षता कर रहीं लाडपुरा विधायक कल्पना देवी ने कहा कि बच्चों को तनाव से मुक्त रखने के लिए उन्हें खेलकूद से जोड़े रखना आवश्यक है। इसमें शारीरिक शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विशिष्ट अतिथि विशेषाधिकारी, शिक्षा मंत्री सतीश गुप्ता ने बताया कि सरकार ने शिक्षकों और शारीरिक शिक्षकों की बड़ी संख्या में डीपीसी की है। आने वाले समय में और भी प्रमोशन होंगे, जिसका शारीरिक शिक्षकों को लाभ होगा। जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक के शर्मा ने बताया कि आने वाले समय में जिला स्तरीय और राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं कोटा में आयोजित होंगी, जिसमें शारीरिक शिक्षकों की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

राजस्थान शारीरिक शिक्षा शिक्षक संघ के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह राजावत ने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों को एक 12 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। जिसमें शारीरिक शिक्षकों के सभी खाली पद भरने और नई भर्तियां निकालने की मांग की गई। उप जिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक शिक्षा सूरज करण बड़गोतया ने बताया कि इस बार कोटा जिले को तीन खेलों की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के आयोजन की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा जिला स्तरीय प्रतियोगिता में खेलों की 32 प्रतियोगिताएं होंगी जो चार चरणों में समाप्त होगी। इस अवसर पर सेवानिवृत होने वाले 13 शारीरिक शिक्षकों का भी सम्मान किया गया। समापन समारोह में आर डी मीणा चेयरपर्सन जय मिनेश आदिवासी विश्वविद्यालय रानपुर, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक मुख्यालय रूप सिंह मीणा, एडीपीसी समसा रुपेश सिंह, एडीईओ राजेश कुमार मीणा, उप जिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक शिक्षा कार्यालय संयुक्त निदेशक शिवराज सिंह चौधरी, प्रवीण विजय आदि उपस्थित रहे।

सुकेत कस्बा में नालों के अतिक्रमण नहीं हटने से मकानों में भरा पानी

-आक्रोशित कस्बेवासियों ने ईओ पर नाराजगी जताई

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। बुधवार रात से हो रही लगातार बारिश के कारण पूरे कस्बे में जगह-जगह जलभराव की स्थिति हो गई है। सड़कों पर करीब एक से दो फिट तक पानी बहने लग गया। कस्बे में बस स्टैंड के आसपास की कई दुकानों में पानी घुस गया। सूचना देने पर आनन-फानन में नगर घर पालिका के ईओ अपनी टीम के साथ जायजा लेने पहुंचे। कस्बेवासियों ने ईओ हेमेंद्र सांखला को खरी-खरी सुनाई। कस्बेवासियों ने आरोप लगाया कि नगर पालिका की ओर से मानसून सीजन से पूर्व तैयारी नहीं की गई। बस स्टैंड पर झालावाड़ रोड व कोटा रोड की ओर नालों पर अतिक्रमण करके लगी दुकानों को नहीं हटाया। साथ ही, नालों की सफाई सही तरीके से नहीं कराई गई। इस कारण से कस्बे में कस्बेवासियों ने नगर पालिका के सफाई जमादार सुरेश गुर्जर पर आरोप लगाए और कहा कि उनकी सफाईकर्मियों की मिलीभगत के कारण वह उनका अतिक्रमण हटाकर नालों की सफाई नहीं करवा रहे हैं। जिससे ऐसी गंभीर स्थिति बन रही है। ग्रामीणों ने बताया कि कस्बे के कुछ जन प्रतिनिधि मामले में दखलंदाजी करते हैं। जबकि वे बस स्टैंड क्षेत्र में रहते तक नहीं है। इससे अतिक्रमण हटाने व नालों की सफाई का काम समय पर नहीं हो पा रहा है। अब बस स्टैंड के दोनों ओर नाले पर आसपास की दुकानों ने पक्का निर्माण कर लिया है। कुछ दुकान को नाले के आगे तक जमा लिया है। ऐसी स्थिति में बस स्टैंड के दोनों ओर करीब 100-100 फीट तक नाले की सफाई बस स्टैंड पर जो मुख्य नाले में पाइप डाला हुआ है। उसकी चौड़ाई कम है। इसके कारण पानी पर्याप्त नहीं समा पाता। जिससे पानी सड़क पर आ जाता है। जिन लोगों ने नालों पर अतिक्रमण कर रखा है, उन्हें तीन दिन का नोटिस दिया है। स्वैच्छा से अतिक्रमण हटाकर नालों की सफाई में सहयोग नहीं करने पर सख्ती से कार्रवाई की जायगी।

अमित कुमार होंगे झालावाड़ के नए जिला पुलिस अधीक्षक

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। अमित कुमार झालावाड़ के नए जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) बनाए गए हैं। उन्हें पुलिस अधीक्षक झालावाड़ के रूप में नियुक्त किया गया है। अमित कुमार की नियुक्ति से झालावाड़ जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अपराध नियंत्रण में सुधार की उम्मीद है। तीन साल बाद जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर का तबादला किया गया।

सावन की एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम आयोजित

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। नेशनल कांग्रेस वर्कर कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष आबिद खान, कोटा जिला अध्यक्ष नितिन गौतम ने शनिवार को शहीद स्मारक पर "सावन कि एक शाम शहीदों के नाम" कार्यक्रम आयोजित किया गया। कोटा जिला अध्यक्ष नितिन गौतम ने बताया कि राजस्थान वीरांगनाओं, योद्धाओं और साहसीं लोगों की भूमि है। राजस्थान की रणभूमि से हजारों सैनिक अपने देश की रक्षा करने बॉर्डर पर जाते हैं और अपनी जान न्योछावर कर देते हैं लेकिन अपने देश पर आच नहीं आने देते हैं। प्रदेश अध्यक्ष आबिद खान ने बोला है सर्व समाज पूरे हाडोती को यह पता होना चाहिए के राजस्थान की भूमि से स्वाधीन लीडर ब्रिगेडियर, सूबेदार, मेजर जैसे बड़े पदों पर सैनिक राजस्थान से बॉर्डर पर लगे हुए हैं। प्रदेशाध्यक्ष आबिद खान ने कहा कि कार्यक्रम करने का उद्देश्य हाडोती सहित पूरे राजस्थान के लोगों तक ये संदेश पहुंचाने का मकसद है कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और देश की रक्षा की खातिर अपना सब कुछ न्योछावर करने वाले जवानों की बहादुरी की गाथा सभी तक पहुंचे। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष आबिद खान, जिला अध्यक्ष नितिन गौतम, जिला महासचिव युवराज गौतम, अख्तर अली, फिरोज दबंग, जाकिर खान, नुसरत खान, हुसैन भाई टीटू पहलवान, दिनेश जागीर, अर्जुन मेघवाल, नरेश नरोत्तम, दिनेश मीणा, ममता शर्मा, आशा जैन व अन्य गणमान्य मौजूद थे।

बाबा रामदेव मेघवाल जनकल्याण समिति बारां के चुनाव सम्पन्न

-जगदीश मेघवाल समिति के जिलाध्यक्ष व बद्रीप्रसाद मेघवाल बने महामंत्री

बारां, (रॉयल पत्रिका)। रविवार को चरी घाट रोड़ लंका कॉलोनी बारां स्थित मेघवाल समाज छात्रावास मंदिर परिसर में जिलाध्यक्ष के चुनाव सर्वसहमति से सम्पन्न हुए। निवर्तमान जिलाध्यक्ष सीताराम मेघवाल नियाणा की अध्यक्षता में सर्वसहमति से जिलाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष व महामंत्री के चुनाव सम्पन्न हुए। जिसमें जगदीश मेघवाल को जिलाध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया गया। गंगाधर निर्मल को कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया एवं बद्रीप्रसाद मेघवाल को महामंत्री पद पर नियुक्त किया गया। इस दौरान निर्वतमान जिलाध्यक्ष सीताराम मेघवाल का सफल कार्यकाल के लिए समाजबंधुओं की उपस्थिति में माल्यार्पण व साफाबन्दी कर स्वागत सत्कार किया गया। एवं नवनियुक्त जिलाध्यक्ष जगदीश मेघवाल, कोषाध्यक्ष गंगाधर निर्मल एवं महामंत्री बद्रीप्रसाद मेघवाल का मुँह मीठा कर, साफाबन्दी व माल्यार्पण के साथ सभी समाजबंधुओं ने नई जिम्मेदारी के लिए बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष जगदीश मेघवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि मैं समाज द्वारा दी गई इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ निर्वहन करूँगा। आगामी बैठक 27 जुलाई, 2025 रविवार को दोपहर 12 बजे आहुत की जायेगी जिसमे कार्यकारिणी गठन को लेकर विचार विमर्श किया जाएगा। इस दौरान सीताराम मेघवाल नियाणा, बाबूलाल मेघवाल दीलोदा, रामगोपाल नाकेदार, रामचंद्र मेघवाल, गोपाललाल मेघवाल, रामप्रसाद कोटड़ा, केसरीलाल मेघवाल, रामदयाल मेघवाल, घनश्याम मेघवाल, राजेंद्र मेघवाल बाबा वेल्डिंग, वीरेंद्र शांत, हेमराज खेड़ली, सूरज फतेहपुर, कवि सूरजमल मियाडा, छीतरलाल मेघवाल, पृथ्वीराज मेघवाल, महेश मेघवाल, लालचंद मेघवाल, रामप्रताप मेघवाल, शशिकांत वर्मा, लीलाधर निर्मल आदि समाजबंधु उपस्थित रहे।

एसडीपीआई ज़िला कमेटी की बैठक संपन्न

-मजबूती के साथ निकाय चुनाव में उतरेंगे- अशफाक हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इण्डिया ज़िला कमेटी कि बैठक तालाब पाड़ा स्थित ज़िला कार्यालय बारां पर जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में एसडीपीआई के प्रदेशाध्यक्ष अशफाक हुसैन ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य मोहम्मद जावेद विशिष्ट अतिथि के रूप में बैठक में शामिल हुए। प्रदेशाध्यक्ष ने जिला कमेटी, ब्रांच समिति, वार्ड कमेटी, एसडीपीआई के पार्षदों और सभी कैडर को नए जोश और नई नीति के साथ काम करने का जोश पैदा किया। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य जावेद खान ने ज़िला कमेटी के विस्तार पर चर्चा करते हुए आगामी दिनो मे बारां, अन्ता, मांगरोल, छबड़ा और अटरु मे नगर निकाय चुनाव में पार्टी द्वारा सभी जगह निकाय चुनाव मे हिस्सा लेने का फ़ैसला किया गया। अन्ता - मांगरोल में सम्भावित विधानसभा उपचुनाव के मध्यनजर पार्टी द्वारा उम्मीदवार खड़े करना का फैसला किया गया। प्रदेशाध्यक्ष अशफ़ाक हुसैन सभी जिला पदाधिकारियो से आह्वान करते हुवे कहा कि हमे सभी निकाय व विधानसभा चुनाव मे मज़बूती के साथ चुनाव लड़ने के लिये सभी कार्यकर्ता को सक्रिय भूमिका अपनाने के लिये अभी से तैयार रहना होगा और ब्रांच स्तर तक पार्टी को मजबूत करना होगा। ज़िला अध्यक्ष अब्दुल अज़ीज़ अज्जु ने बैठक में सभी सदस्यों का स्वागत करते हुवे कहा हमने जिस तरह पिछले निकाय चुनाव मे पार्टी को जीत हासिल करवाई थी इस बार हमे और अधिक जनता का विश्वास हासिल करना है। बैठक मे प्रदेश कमेटी सदस्य मोहम्मद जावेद, इफ़्तिखार अहमद, मुफ़्ति मोहम्मद उमर, प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर रंगरेज, ज़िला उपाध्यक्ष शहादत हुसैन, सलामत हुसैन, हाजी मोहम्मद अशफ़ाक, अलीम मंसूरी, मोलाना सलमान, गुलशेर अहमद, इरशाद अंसारी, पार्षद मोहम्मद असलम कालू सहित विषेश आमंत्रित सदस्य मौजूद रहे। अंत मे इफ्तिखार अहमद ने सभी को धन्यवाद देकर बैठक समाप्ति कि घोषणा कि।

सखी क्लब ने गोद लिए अपना घर के वृद्धजनों को बारिश से बचाव के लिए बांटी छतरियां

बारां, (रॉयल पत्रिका)। सखी क्लब बारां द्वारा सावन के पहले सोमवार को अपना घर वृद्धाश्रम पर स्नेहभोज करा कर वृद्धजनों के साथ समय बिताते हुए उनकी समस्याओं पर चर्चा की थी। आज वृद्धजनों को बरसात से राहत प्रदान करने के लिए छातें वितरीत किए गए। सखी क्लब अध्यक्ष एवं जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया तथा कोषाध्यक्ष मधु शर्मा ने बताया कि अपना घर वृद्धाश्रम को सरकार की मदद नहीं मिल पा रही है। इसलिए इस आश्रम को सखी क्लब द्वारा गोद लिया जाकर अपना घर वृद्धाश्रम के सभी वृद्धजनों की सेवा का संकल्प लिया गया है। इसी के अन्तर्गत वृद्धाश्रम के संचालक ललित वैष्णव द्वारा बरसात के मौसम में वृद्धजनों को भीगने से बचाने के लिए छातों की आवष्यकता बताई। इस पर सखी क्लब द्वारा वृद्धाश्रम के वृद्धजनों के लिए छतरियां उपलब्ध करवायी गई ताकि वह बरसात के इस मौसम में बारिश के पानी से भीगने से बच सके तथा बरसात में भीगने के कारण उनका स्वास्थ्य प्रभावित नही हो। क्लब सदस्य प्रेरणा शर्मा एवं रानी जैन ने बताया कि इस दौरान क्लब सदस्य ज्योति पारस, चंद्रकला सेठी, मंजू जैन आदि क्लब सदस्याएं उपस्थित रही।

पंचायत शाह समाज की इज्तिमाई निकाह सम्मेलन कमेटी ने सौंपा आमद खर्च का ब्यौरा

बारां, (रॉयल पत्रिका)। पंचायत शाह समाज बारां के जेरे एहतमाम 2025 में हुए इज्तिमाई निकाह सम्मेलन के आमद - खर्च का ब्यौरा शनिवार रात पंचायत के जमात खाने में सम्मेलन सदर शफी अदलक्खा, सेकेट्री छुट्टन भाई ओर खजांची रहीम भाई ने पंचायत के सदर माशूक अली चिश्ती, सेक्रेट्री डॉ. वसीम अहमद शाह, खजांची गुलजार भाई सहित पूरी कमेटी के सामने सौंप दिया। इसके अलावा पिछली बचत ओर जमात खाने से आमद का हिसाब भी पदाधिकारियों के सामने सौंपा गया। साथ ही पंचायत के द्वारा समाज के भलाई के लिए ओर नए कार्य करने की योजना भी बनाई गई। इस दौरान पूर्व सदर अब्दुल शकूर केमिस्ट, खुर्शीद आलम, इकबाल रीगल, एजाज वकार, मुर्तजा हुसैन, माजिद शाह, बुन्द भाई, छुट्टन भाई, शफी भाई, रहीम भाई, मोईन बाबा, मुबारिक भाई सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी, चूरू का बहु-प्रतीक्षित सम्मान समारोह 27 जुलाई को आयोजन

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद एजुकेशनल संस्थान, उस्मानाबाद कॉलोनी चूरू में सोसाइटी की आम बैठक हाजी याकूब थीम की अध्यक्षता में संपन्न हुई । जिसमें 27 जुलाई, 25 को आयोजित किए जाने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी से संबंधित सभी बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की एवं अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई। 80 % से ज्यादा अंक हांसिल करने वाले बच्चों की संख्या अब तक 110 हो जाना कमेटी द्वारा बताया गया और बच्चों तथा अभिभावकों को उचित तरीके से सूचित किए जाने की भी जिम्मेदारी सौंपी गई । ताकि बच्चे व अभिभावक समय पर पहुंच कर अपना स्थान ग्रहण कर लें। उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब खान (सेवानिवृत्त एडिशनल S P) ने बताया कि उक्त सम्मान समारोह का आयोजन जयपुर रोड स्थित मदरसा दारुल उलूम, चूरू में ठीक सुबह 10 बजे रखा गया है, जिसमें होनहार बच्चों का सम्मान किया जाएगा और आगंतुकों के लिए, नाश्ते का इन्तेजाम भी किया जाएगा। उक्त प्रोग्राम सुबह 10 बजे से दोपहर 1: 30 बजे के बीच संपन्न हो जाएगा। संगठन में कौम में और बच्चों के अभिभावकों में इस समारोह को लेकर अच्छा खासा जोश और उत्साह देखने को मिल रहा है। आज की बैठक में निम्न सदस्यों द्वारा शिरकत की गई । संस्था अध्यक्ष शौकत अली खान झारिया रिटायर्ड कमिश्नर, डॉक्टर एफ एच गौरी, नूर मोहम्मद खान आबकारी इंस्पेक्टर, डॉक्टर कादिर हुसैन, हाजी उस्मान गनी खां दिलावर खानी, हाजी रशिद खान मोयल, सलीम खान डीलर, मोहम्मद सदीक खान, अनीस खान, हारून रशीद, डॉ. मुफ्तीकिम अली शेख ,मोहम्मद रमजान खान, ओवैस कुरैशी, मैनुद्दीन खान फतेह खानी, हबीब खान, मोहम्मद वसीम अली, हाजी अब्दुल सत्तार अंसारी, मोहम्मद आरिफ खान, मोहसिन खान, आबिद खान ए के, मोहम्मद निसार खान ,उस्मान अंसारी, मोहम्मद अली पठान, मीटिंग सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और समिति अध्यक्ष शौकत अली खान झारिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। शिक्षा की हाजी अब्दुल सत्तार अंसारी ने दुआ की।

इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में किया पौधारोपण, एक पेड़ अवश्य लगाएं- अब्बास खान राणा

चूरू, (रॉयल पत्रिका) । क्षेत्र के प्रमुख शिक्षण संस्थान इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में मुस्लिम राजपूत महासभा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष अब्बास खान मोयल राणा व संस्थान निदेशक अख्तर खान रूकनखानी के नेतृत्व में विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधे लगाए । इस मौके पर अब्बास खान मोयल राणा ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि पेड़ हवा से हानिकारक प्रदूषकों को हटाते हैं और हमारे प्राकृतिक वायु फिल्टर के रूप में कार्य करते हैं। अगर पर्यावरण को शुद्ध रखना है तो हमें पेड़ पौधे लगाने चाहिए। वही संस्थान निदेशक अख्तर खान रूकनखानी ने कहा कि पेड़ों को सही मायने में धरती के फेफड़े कहा जाता है। पेड़ों के बिना धरती पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। पेड़ कई तरह से पर्यावरण को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं। इस मौके पर विधालय प्रधानाध्यापिका सबीना बानो, शिक्षा अनुदेशक असलम खान शिक्षा अनुदेशिका अल्लादेई, शिक्षा अनुदेशक जान मोहम्मद व विधार्थी उपस्थित रहे। पौधारोपण कर "हरियालो राजस्थान" का दिया संदेश।

चूरू की वर्णिका तिवारी ने फहराया परचम

-नेशनल शूटिंग में जीता सिल्वर

चूरू, (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय की बेटी वर्णिका तिवारी पुत्री मुदित तिवारी ने शनिवार को 54 वीं केंद्रीय विद्यालय संगठन राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में फगवाड़ा, पंजाब में हुई शूटिंग स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया है। वर्णिका चूरू केंद्रीय विद्यालय में कक्षा 9 की विद्यार्थी है। जानकारी के अनुसार, पीएम केवी चूरू की वर्णिका और पीएम केवी-3 जयपुर की हिमानी सिंह को 10 मीटर राइफल श्रेणी में पदक हासिल हुआ है। 10 मीटर पीप साइट रायफल (U-14 Girls) श्रेणी में पीएम केंद्रीय विद्यालय चूरू की कक्षा 9 की छात्रा वर्णिका तिवारी ने रजत पदक हासिल किया। वहीं 10 मीटर पीप साइट रायफल (U-17) श्रेणी में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-3, जयपुर की कक्षा 11 की छात्रा हिमानी सिंह ने स्वर्ण पदक जीतकर अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान आकर्षित किया। दोनों छात्राओं के प्रदर्शन ने जयपुर रीजन को शूटिंग स्पर्धा में चैम्पियनशिप ट्रॉफी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में जयपुर रीजन प्रथम, रायपुर द्वितीय एवं चेन्नई रीजन तृतीय स्थान पर रहे। वर्णिका और हिमानी, दोनों का चयन अब SGFI (School Games Federation of India) की राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हो गया है, जिसमें देशभर से चयनित सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। विद्यालय परिवार, अभिभावकों, शिक्षकों व समस्त क्षेत्रवासियों ने इन प्रतिभाशाली बेटियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जल भराव की समस्याओं को लेकर यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में नगर परिषद को दिया ज्ञापन

-थाली बजाकर नारे लगाकर किया विरोध प्रदर्शन

चूरू, (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर शहर के नागरिकों ने युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष आसिफ खान के नेतृत्व में थाली बजाते और नारे लगाते हुए नगर परिषद चूरू में शहर में विभिन्न स्थानों पर हो रहे जल भराव को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष आसिफ खान ने बताया कि चूरू शहर के मुख्य स्थान जैसे राजकीय जिला अस्पताल, राजकीय लोहिया महाविद्यालय, नेत्र अस्पताल के सामने, इंद्रा कॉलोनी, तकिया ताजुशाह क्षेत्र, मोहल्ला सब्जिफरोश, वार्ड नं 38 व 41 की कब्रिस्तान व मुक्तिधाम के आगे, वार्ड नं 3 में भेरूजी मंदिर, सैनिक बस्ती, कृषि उपज मंडी के पीछे के इलाको में जल भराव एक बहुत बड़ी समस्या बन चुका है, जिससे आमजन को बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आज इन्हीं समस्यों को लेकर नगर परिषद आयुक्त के पास थाली बजाते हुए ज्ञापन देकर जल्द से जल्द समाधान की मांग की है । समाधान नहीं होने पर और उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान छात्र नेता अनीश खान, आमीन खान स्टेशन मास्टर रेलवे रि., शब्बीर खान एलमान, कमल सिंह, दिपेश शर्मा, चाँद खान, नवाब खान, राजेश चौधरी, अमन दाधीच, रफ़ीक़ डायर, ज़ुल्फ़िकार फौजी, जंगशेर खान, बाबूलाल मेघवाल, सुरेंद्र मेघवाल समेत सैंकड़ो नागरिक जन उपस्थित रहे।

हिन्दुस्तान ज़िंक ने देबारी में कचरा संग्रहण के लिए दिए ईवी वाहन

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, हिन्दस्तान ज़िंक ने बिछड़ी और जिंक स्मेल्टर ग्राम पंचायतों को कचरा संग्रहण के लिए अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन सौंपे। यह हरित पहल स्वच्छ, स्वस्थ और अधिक सुदृढ़ समुदायों को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से न केवल कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी, बल्कि स्थानीय निवासियों के लिए दीर्घकालिक स्वास्थ्य और स्वच्छता में भी लाभ मिलेगा। यह पहल हिन्दस्तान ज़िंक के व्यापक ईएसजी दृष्टिकोण और स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और ग्रामीण विकास में केंद्रित सामाजिक प्रभाव पहलों के माध्यम से हरित और समावेशी समुदायों के निर्माण की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। यह वाहन घर-घर कचरा संग्रहण को सक्षम बनाएगा और इससे सीधे तौर पर लगभग 3 हजार परिवार लाभान्वित होंगे, जिससे क्षेत्र में कुशल और पर्यावरण अनुकूल कचरा प्रबंधन सुनिश्चित होगा। इस वाहन को सौंपने के समारोह में सरपंच, उपसरपंच और अन्य पंचायत के सदस्य उपस्थित थे। जिन्होंने ठोस कचरा प्रबंधन की दिशा में इस प्रगतिशील कदम का स्वागत किया, जो स्वच्छ भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है। उल्लेखनीय है कि हिन्दस्तान ज़िंक द्वारा राजकीय विद्यालयों में शौचालय निर्माण और आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से ग्रामीण कल्याण में योगदान दिया गया है, जिससे इससे इस क्षेत्र के 5 हजार से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

21 जुलाई को अदा की जाएगी झंडा चढ़ाने की रस्म

मोहम्मद यासीन

कपासन, (रॉयल पत्रिका)। प्रख्यात सूफी संत हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. के जन्मोत्सव (यौमें विलादत) के मौके पर 25 मोहर्रम, सोमवार 21 जुलाई को अलम शरीफ (झण्डा) चढ़ाने की रस्म अदा की जाएगी। इसके साथ ही बाबा हुजूर के 84वें उर्स की चहल-पहल शुरू हो जाएगी। दरगाह वक्फ कमेंटी के सैक्रेट्री मोहम्मद अब्बास अशरफी के अनुसार बाबा हुजूर के यौमें पैदाईश के मौके पर सोमवार बाद नमाज़े असर के आस्ताना-ऐ-आलिया एवं बुलन्द दरवाजा पर परम्परा अनुसार अलम शरीफ (झण्डा) चढ़ाने की रस्म अदा की जायेगी। इस मुबारक मौके पर अहमद कबीर मंज़िल में सोमवार प्रातः 11 बजे से दीवाना शाह माध्यमिक विद्यालय के छात्र/छात्रा द्वारा हम्द, नात, मनकबत व तकरीर पेश की जाएगी। बाबा हुजूर हज़रत दीवाना शाह साहब र.अ. का जन्म 25 मोहर्रम 1292 हिजरी, 4 मार्च 1875 ईस्वी गुरूवार को डीसा-पालनपुर (गुजरात) में कुरैशी मोहल्ला में अब्दुल कादिर कुरैशी के घर ज़ैनब बाई की कोख से हुआ था। इस खुशी में हर साल अलम पेश करने की रस्म अदा की जाती है। बाबा हुजूर का 84वां उर्स ईन्शा अल्लाह 01 अगस्त से शुरू होकर 03 अगस्त (6 सफर से 8 सफर) को जोहर की अज़ान से पहले कुल की फातिहा के साथ सम्पन्न होगा। झण्डा चढाने की रस्म के साथ ही 84वें उर्स की अनौपचारिक शुरूआत हो जाएगी व जायरीन के आने जाने का सिलसिला शुरू हो जाएगा।

पर्यावरण को बचाने के लिए पेड़ पौधे लगाने जरूरी- प्राचार्य डॉ. एम. एम. पुकार

-राजकीय मेडिकल कॉलेज में पौधारोपण किया गया

चूरू, (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर प्रधानाचार्य के नेतृत्व में मेडिकल कॉलेज चूरू में आज पौधारोपण कार्यक्रम किया गया, जिसमें करीब 400 पौधे लगाए गए और ट्री गार्ड लगाए गए । मेडिकल कॉलेज चूरू द्वारा "हरियाला राजस्थान" के तहत बारिश के मौसम को देखते हुए पूर्व में भी करीब 1000 पौधे लगाए गए थे । प्रधानाचार्य डॉक्टर महेश मोहनलाल पुकार ने बताया कि प्रकृति को बचाने के लिए सभी को कम से कम एक पौधा लगाना आवश्यक है और उसके देख-भाल करना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बन जाती है। इस दौरान पौधारोपण कार्यक्रम में डॉ. जितेंद्र सोलंकी, डॉक्टर रमाकांत वर्मा, डॉ. रतन अग्रवाल, डॉ. संदीप कुल्हारी, डॉ. मनीष चाहर, डॉ. दिनेश कुमार मिल, बीएससी नर्सिंग कॉलेज प्रधानाचार्य दयानंद बुडानिया, रमेश कविता, सुमन, जावेद सहित चिकित्सा अधिकारी चिकित्सक शिक्षक नर्सिंग अधिकारी एवं अन्य स्टाफ महाविद्यालय विद्यार्थी बीएससी नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थी नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे और पौधारोपण किया।

राजस्थान कायमखानी महासभा एवं इंसानियत एकता सेवा समिति द्वारा वृक्षारोपण किया गया

चूरू, (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर राजस्थान कायमखानी महासभा और इंसानियत एकता सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में रेल्वे कब्रिस्तान और कायमखानी छात्रावास में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया । जिसमें राजस्थान कायमखानी महासभा अध्यक्ष मुंशी खान चाँदखानी, कायमखानी छात्रावास अध्यक्ष जब्बार खान अलफखानी, सलामुद्दीन खान रुकनखानी, ज़ाकिर खान के.के., महबूब खान नशवान, पप्पू खान, गफ्फार खान, जाफर खान, सुलेमान मनिहार, अख्तर खान, अल्ताफ खान, आदि उपस्थित रहे । जिसमें जिला अध्यक्ष मुंशी खान ने कहा कि हमारी महासभा वृक्षारोपण कार्यक्रम को पिछले 15 सालों से निरन्तर करती आ रही है और हमारी सोच है कि हमारा भारत हरा भरा रहे और पर्यावरण स्वच्छ रहे। बरसात के मौसम में हर इंसान को पेड़ पौधे लगाने चाहिए । यह हमारे पर्यावरण को स्वस्थ रखता है और हमें शुद्ध हवा प्रदान करता है । आज हमने कई जगहों पर "हरियालो राजस्थान" के तहत पेड़-पौधे लगाए और उनकी जिम्मेदारी ली। इंसानियत एकता सेवा समिति ने भी पौधारोपण मुहिम चला रखी है।

बीकानेर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य ने पकड़ी रफ़्तार

-स्थानीय कला और आधुनिकता के साथ 471 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है पुनर्विकास कार्य

बीकानेर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान का बीकानेर क्षेत्र विश्व मानचित्र पर पर्यटन तथा मिठाई व नमकीन उद्योग के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। बीकानेर के जूनागढ़, गजनेर किला, देशनोक मन्दिर तथा कैमल सफारी के लिए प्रतिवर्ष यहाँ भारी संख्या में पर्यटक आते हैं। बीकानेर में स्थित राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र भी आकर्षण का केन्द्र है। बीकानेर के उत्तर में गंगानगर, पश्चिम में जैसलमेर, पूर्व में नागौर एवं दक्षिण में जोधपुर स्थित है। बीकानेर जिले के खाजूवाला के निकट पाकिस्तान से लगने वाली अन्तर्राष्ट्रीय सीमा भी आती है।

बीकानेर शहर के महत्व, सामरिक दृष्टिकोण और पर्यटन संभावनाओं को देखते हुये बीकानेर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 471 करोड़ रूपये की लागत से "अमृत भारत स्टेशन" योजना के तहत स्टेशन का पुनर्विकास कार्य किया जा रहा है, जिसमें स्थानीय कला, हैरिटेज और आधुनिकता का समावेश किया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार महाप्रबन्धक अमिताभ के निर्देशानुसार में बीकानेर स्टेशन के पुनर्विकास के कार्य ने गति पकड़ी है। स्टेशन पर मुख्य प्रवेश व द्वितीय प्रवेश पर भूतल सहित 9 मंजिला बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। मुख्य प्रवेश पर 26000 वर्ग मीटर तथा द्वितीय प्रवेष पर 17000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में नई बिल्डिंग का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में द्वितीय प्रवेश स्टेशन बिल्डिंग, बारात घर और स्टाफ क्वार्टर्स के लिए फाउंडेशन वर्क प्रगति पर है।

स्टेशन परिक्षेत्र में सुगम आवगमन के लिए लगभग 16000 वर्ग मीटर में सड़क सहित सर्कुलेटिंग एरिया का विकास व 15000 वर्ग मीटर में पार्किंग सुविधा विकसित की जाएंगी। स्टेशन पर यात्रियों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए 36 मीटर चौडाई (3530 वर्ग मीटर) का एयर कॉनकोर्स एरिया का निर्माण किया जाएगा। एयर कॉनकोर्स सभी प्लेटफार्म सहित दोनो छोर की बिल्डिंग को आपस में जोड़ने का भी कार्य करेगा। इस एयर कॉनकोर्स क्षेत्र में वाणिज्यिक दुकाने, केफेटेरिया, एग्जीक्यूटिव लाउंज, फूड कोर्ट, पर्यटक सूचना केन्द्र, वेंटिग हॉल जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेगी।

स्टेशन पर एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर सुगम आवागमन के लिए 41 लिफ्ट और 24 एस्केलेटर लगाया जाना प्रस्तावित हैं। इसके अतिरिक्त 1700 और 1475 वर्ग मीटर क्षेत्रफल के 2 नए फुट ओवर ब्रिज का भी निर्माण किया जाएगा। स्टेशन पर लगभग 16 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में प्लेटफार्म शेल्टर का कार्य किया जाना है।

बीकानेर स्टेशन के पुनर्विकास कार्य में स्टेशन बिल्डिंग में आगमन/प्रस्थान हेतु अलग-अलग प्रवेश व निकास द्वार, एयर कोनकॉर्स, स्काई वॉक, कवर्ड प्लेटफार्म, लिफ्ट व एस्केलेटर की सुविधा, फुट ओवर ब्रिज, अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित वेटिंग रूम, शॉपिग कॉम्पलेक्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज, उन्नत व मानक स्तर की लाइटिंग, फूड कोर्ट इत्यादि का प्रयोजन रखा गया है। इसके साथ ही स्टेशन पर पर्याप्त व सुव्यवस्थित पार्किंग सुविधा, दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाएं, संकेतक, शौचालय, बेगेज स्कैनर, मैटल डिटेक्टर तथा कोच गाइडेन्स बोर्ड व ट्रेन इन्डिकेटर इत्यादि के साथ आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है।

हजरत मुन्शी सिफ्त हुसैन का उर्स 25 जुलाई से

-पोस्टर का विमोचन किया

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुंशी सिफत हुसैन संयुक्त मोहल्ला विकास समिति के महासचिव साजिद खान ने बताया कि मौलाना अबुल कलाम नूरी की सरपरस्ती में उर्स के पोस्टर का विमोचन मौलाना अदनान रजा, इंसाफ अली भाईजान, अब्दुल रहीम सांखला, आदिल अशरफी के हाथों करवाया गया। आसिफ नूरी और शाहरुख नूरी ने बताया कि हर साल की तरह इस साल हजरत मुंशी सिफत हुसैन रहमतुल्लाह अ. का उर्स के प्रोग्राम 25, 26, 27 जुलाई को आयोजित होंगे। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई।

लियाकत नूरी ने बताया कि इस मौके पर खादिम अब्दुल हमीद, कारी इस्लामुद्दीन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कालु खां, मोहम्मद साकिर, अनवर अफरीदी, नफीस, आसिफ नूरी, शाहरुख नूरी, समीर नूरी, वाजिद उस्ताद, अजीज उर्फ राजू, नासिर भीस्ती, फिरोज शाह, इस्लामुद्दीन सिकंदरी, उमर, शाकीर घोसी, लियाकत नूरी, नियामत भाई, मुन्ना भाई आदि उपस्थित थे।

गीतांजली हॉस्पिटल के ओब्स एंड गायनी विभाग द्वारा मेवाड़ में नेशनल लेवल की पहली कार्यशाला संपन्न

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका) । गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग द्वारा मेवाड़ क्षेत्र की पहली राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें एंडोस्कोपी, PICSEP (प्रोटोकॉल-आधारित क्लीनिकल स्किल्स), और PPH (प्रसवोत्तर रक्तस्राव) जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए। यह कार्यशाला में देशभर से प्रतिष्ठित चिकित्सकों, मेडिकल शिक्षकों एवं छात्रों ने भागीदारी दर्ज कराई। कार्यक्रम के शुभारंभ पर मंच की शोभा बढ़ाने वाले मुख्य अतिथियों में FOGSI की पश्चिम क्षेत्र उपाध्यक्ष डॉ. कोमल चव्हाण, गीतांजली मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ. संगीता गुप्ता, UOGS सचिव डॉ. प्रदीप बंदवाल, GIMSR, जयपुर की विभागाध्यक्ष डॉ. लीला व्यास, कार्यशाला की अध्यक्षा डॉ. मधुबाला चौहान, सह-अध्यक्षा डॉ. अंजना वर्मा तथा वैज्ञानिक समिति की अध्यक्षा डॉ. नलिनी शर्मा शामिल रहीं। कार्यशाला में डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. अनुपमा हाडा, डॉ. शब्दिका कुलश्रेष्ठ का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर डिवीजनल कमिश्नर सुश्री प्रज्ञा केवलरमानी ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। उन्होंने गीतांजली हॉस्पिटल द्वारा की जा रही चिकित्सकीय सेवाओं और प्रशिक्षण प्रयासों की सराहना करते हुए इस प्रकार की शैक्षणिक कार्यशालाओं को नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला का उद्देश्य वर्तमान में स्त्री एवं प्रसूति रोग चिकित्सा में प्रयोग हो रही नवीनतम तकनीकों की जानकारी साझा करना और रेजिडेंट डॉक्टर्स को व्यावहारिक अनुभव उपलब्ध कराना था। एंडोस्कोपी एवं लैप्रोस्कोपी जैसे क्षेत्रों में हो रहे आधुनिक नवाचारों पर विशेष चर्चा की गई, साथ ही मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए अपनाए जाने वाले प्रोटोकॉल्स और इमरजेंसी रिस्पॉन्स पर भी विचार-विमर्श हुआ। कार्यशाला का समापन डॉ. अंजना वर्मा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल द्वारा आयोजित यह कार्यशाला चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान, और व्यावहारिक दक्षता को सशक्त बनाने की दिशा में एक सफल एवं प्रेरणादायक प्रयास साबित हुई।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/992844315

अजमेर में जलभराव और आफत के लिए भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार जिम्मेदार- धर्मेंद्र राठौड़

-विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बंद करे दोषारोपण की राजनीति और धरातल पर करके दिखाए विकास कार्य

-पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने किया जल भराव क्षेत्रों का दौरा और ली बिगड़े हालातों की जानकारी

अजमेर/जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने रविवार शाम अजमेर स्मार्ट सिटी में घुटनों तक पानी में उतरकर भारी बारिश से बिगड़े हालातों का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों और लोगों से मुलाकात कर उनके दुख दर्द को जाना। साथ ही अग्रसेन सर्किल के पास बारिश से डूबे मकान के एक गरीब लुहार परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने जलमग्न अजमेर की बर्बादी के लिए जिला प्रशासन, स्थानीय भाजपा के केंद्र व राज्य के मंत्रियों को जिम्मेदार ठहराया। शाम को सूचना केंद अग्रसेन चौराहा, मेडिकल कालेज, बजरंगगढ़ चौराहा और आनासागर चौपाटी के पास घुटनों तक भरे पानी के इलाकों का दौरा किया और हालातों को करीबी से देखा। दौरे के दौरान राठौड़ ने अजमेर के जलमग्न हालातों को लेकर भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार को जमकर घेरा और जिम्मेदार ठहराया । पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि अजमेर जिला प्रशासन, स्थानीय मंत्री और राज्य की भाजपा सरकार ने बारिश से पूर्व होने इंतजाम नहीं किए व भारी बारिश की चेतावनी के बावजूद कोई ठोस कोई कदम नहीं उठाए। इसलिए पूरे अजमेर जलभराव के हालात बने है और लोग पानी भरने से भयंकर परेशान है। जिला प्रशासन ने चार जगह राहत शिविर तो लगा दिए लेकिन राहत शिविर में लोगों को कोई राहत नहीं मिल पा रही है। लोग जल भराव से परेशान है और खाने को तरस रहे है। उन्होंने अजमेर उत्तर विधायक व राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि देवनानी लगातार पांच बार से अजमेर विधायक है और वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष के पद पर है और सरकार में बड़े पद पर बैठे है। उन्ही के क्षेत्र में जलभराव के सबसे ज्यादा हालत खराब हो रखे है। जाहिर है देवनानी ने शहर के विकास के लिए क्या काम किया, वो सबके सामने है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी दोषारोपण की राजनीति करना बंद करे, बल्कि धरातल पर विकास के काम करके दिखाए, जिससे अजमेरवासियों को राहत मिल सके। पानी भरने के बाद दौरे करने से कुछ नहीं होने वाला, जनता ने आपको और आपके विकास को अच्छी तरह से देख लिया। राठौड़ ने कहा कि अजमेर से केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, विधायक अनिता भदेल है। नगर निगम में भाजपा को बोर्ड है और करीब दो साल से राज्य में भाजपा की सरकार है। बावजूद इसके इन सबकी नाकामी अजमेर वासियों किए आफत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि जब राज्य में हमारी अशोक गहलोत सरकार थी, तब हमारी सरकार के यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने कोटा को मॉडल सिटी के रूप से विकसित किया। भारी बारिश और चंबल नदी के उफान के बावजूद कोटा में न तो कही बारिश से हालात बिगड़ते और न ही कोई यातायात व्यवस्था गड़बड़ाती है। इसलिए मेरा राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से आग्रह है कि अजमेर को भी कोटा की तर्ज पर मॉडल सिटी बनाए और अगली बारिश में एक बूंद भी पानी नहीं भरें। ऐसे ठोस कदम अजमेर में उठाने की जरूरत है। दौरे के दौरान राठौड़ ने बजरंगगढ़ चौराहा शिविर में नगर निगम अधिकारियों से बातचीत की और हालातों की जानकारी ली। सूचना केंद्र के पास घुटनों तक भरे पानी में होकर गुजर रहे लोगों और मरीजों से बात की और उनकी समस्या को जाना। इस दौरान कांग्रेस महासचिव पार्षद नौरत गुर्जर, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शैलेंद्र अग्रवाल, पूर्व पार्षद सर्वेश पारीक, आरिफ खान, विकास चौहान, प्रिंस ओबीडाया, युनुस शेख, पंकज छोटवानी, सुमित मित्तल, शरद कपूर, निर्मल पारीक, विश्वेश पारीक,अशरफ अली व नन्द लाल गुर्जर आदि पदाधिकारी साथ थे।

ऑपरेशन सिंदूर रहा कामयाब, आतंकी आकाओं के ठिकानों को 22 मिनट में ही किया जमींदोज- पीएम मोदी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्रकारों को संबोधित किया। डिफेंस, इकोनॉमी, नक्सलवाद समेत कई विषयों पर विचार साझा कर कहा कि ये सत्र विजयोत्सव का है।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100 फीसदी पूरा किया गया

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100 फीसदी पूरा किया गया। आतंकी आकाओं के घर जाकर 22 मिनट में ऑपरेशन सिंदूर के तहत उनके ठिकानों को जमींदोज किया गया। हमने यह सिद्ध करके दिखा दिया। इस अभियान के दौरान मेड इन इंडिया सैन्यशक्ति का नया स्वरूप दिखा है। विश्व भर में मेड इन इंडिया के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है।

मानसून सत्र राष्ट्र के लिए बहुत ही गौरवपूर्ण सत्र

उन्होंने कहा कि ये मानसून सत्र राष्ट्र के लिए बहुत ही गौरवपूर्ण सत्र है। यह मानसून राष्ट्र के लिए विजयोत्सव का रूप है। पहली बार अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर भारत का तिरंगा का लहराना हर देशवासी के लिए गौरव का पल है। देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, नवाचार के प्रति नया उमंग और उत्साह भरने वाली यात्रा रही है। पूरे संसद, दोनों सदन और देशवासी जिस गौरव का अनुभव कर रहे हैं, उसमें एक स्वर से जुड़ेंगे और इसका यशगान होगा।

आज नक्सलवाद-माओवाद का दायरा तेजी से सिकुड़ रहा है

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश कई प्रकार की हिंसक वारदातों का शिकार रहा है, चाहे आतंकवाद हो या नक्सलवाद। कोई शुरुआत में हुआ, कोई बाद में, आज नक्सलवाद-माओवाद का दायरा तेजी से सिकुड़ रहा है। इसे जड़ से उखाड़ने के संकल्प के साथ एक नए आत्मविश्वास और तेज गति से सफलता की ओर कदम रख रहे हैं। मैं गर्व से कह सकता हूं कि देश में सैकड़ों जिले आज मुक्ति की सांस ले रहे हैं। पहले जो क्षेत्र 'रेड कॉरिडोर' के नाम से जाने जाते थे, वे अब 'ग्रीन ग्रोथ जोन' में बदल रहे

उन्होंने कहा कि बम, बंदूक और पिस्तौल के सामने भारत का संविधान विजयी हो रहा है। पहले जो क्षेत्र 'रेड कॉरिडोर' के नाम से जाने जाते थे, वे अब 'ग्रीन ग्रोथ जोन' में बदल रहे हैं, जो देश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। वहीं, आर्थिक प्रगति को लेकर उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में दसवें स्थान पर था, लेकिन आज यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने इस प्रगति को देश की मेहनत और नीतियों का परिणाम बताया।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि यह सत्र केवल कानून बनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश की प्रगति और गौरव को विश्व पटल पर स्थापित करने का उत्सव है।

चौमूं में कांग्रेस की "संविधान बचाओ रैली" आयोजित की गई

चौमूं , (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस पार्टी द्वारा 20 जुलाई को विधानसभा क्षेत्र चौमू में "संविधान बचाओ रैली" आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, एआईसीसी सचिव व सह-प्रभारी राजस्थान चिरंजीवी राव, विधायक डॉ. शिखा मील बराला सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी कांग्रेस नेताएवं कार्यकर्ता शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि यह जानना बहुत आवश्यक है कि आज संविधान पर क्या खतरा है और क्यों संविधान बचाओ रैली आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि संविधान ने हमें कर्तव्य दिए लेकिन अधिकार भी दिए बोलने की आजादी दी, पढ़ने का अधिकार दिया, खाने का अधिकार, रोजगार का अधिकार संविधान से ही मिला है। संविधान से ही जनप्रतिनिधि बनने का अधिकार मिलता है अनुसूचित जाति और जनजाति को आरक्षण का अधिकार मिलता है ओबीसी व महिलाओं का आरक्षण संविधान के प्रावधान से ही मिला है, विधायक 5 साल के लिए चुने जाएंगे राज्यसभा में 6 साल के लिए चुने जाएंगे संसद 5 साल के लिए गठित होगी, पंचायती राज संस्थाओं के और निकायों के चुनाव 5 साल में कराए जाएंगे यह सभी प्रावधान संविधान में है पहले 10-15 साल तक पंचायत के चुनाव नहीं होते थे आरक्षण की बात होती थी लेकिन संविधान में समय-समय पर जो संशोधन हुए 73वां और 74 वें संविधान संशोधन भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी ने किया और यह प्रावधान दिया कि विधायकों और सांसदों की तरह 5 साल में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव करवाना आवश्यक है तथा नगर पालिकाओं का कार्यकाल भी 5 साल का किया तथा व्यवस्था दी कि 5 साल का कार्यकाल समाप्त होने पर पालिका, नगर परिषद, नगर निगम के चुनाव कराकर नए बोर्ड का गठन करना आवश्यक होगा, आज प्रश्न यह है कि प्रदेश में अनेक नगर निकायों, ग्राम पंचायत पंचायती राज संस्थाओं के कार्यकाल के 5 साल पूर्ण हो गए और अब 1 वर्ष अधिक समय बीतने के बावजूद भी उनके चुनाव भाजपा सरकार नहीं करवा पा रही है यह सीधे-सीधे संविधान का ही उल्लंघन है। आज भाजपा के लोग यह तर्क दे रहे हैं कि जब पूर्व में कांग्रेस सरकार थी तब भी तो समय ज्यादा निकला था लेकिन वास्तविकता यह है कि देश में वैश्विक महामारी कोरोना के कारण सुप्रीम कोर्ट से इजाजत लेकर राज्य सरकारों ने नगर निकाय और पंचायत राज संस्थाओं का कार्यकाल बढ़ाया था और चुनाव कराए थे क्योंकि उस वक्त वैश्विक महामारी के कारण चुनाव संभव नहीं थे। उन्होंने कहा कि संविधान में यह प्रावधान है कि यदि कोई आपातकालीन स्थिति है तो माननीय सुप्रीम कोर्ट से इजाजत लेकर कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है लेकिन आज ना तो न्यायालय से इजाजत ली गई बस कार्यकाल आगे बढ़ा दिया आज न्यायालय का तो यह फैसला है कि परिसीमन करके 5 वर्ष के अंदर चुनाव करना होगा लेकिन भाजपा की राजस्थान सरकार परिसीमन के कार्य को लंबा खींच कर चुनाव टालने का कार्य कर रही है, मर्जी आए जैसे सीमांकन किया जा रहा है मर्जी आए जैसे पुनर्गठन किया जा रहा है पंचायत को तोड़ा जा रहा है मनमर्जी से ग्राम पंचायत बनाई जा रही है, गलत तरीके से गांव को अलग-अलग जगह जोड़ा जा रहा है।

डॉ. बी.एल. जाटावत का वाल्मिकी समाज व अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ ने किया भव्य स्वागत

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड के पूर्व चेयरमैन डॉ. वी. एल. जाटावत के अल्पकालीन जोधपुर प्रवास पर वाल्मीकि समाज की ववकों एवम् सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्वागत सत्कार किया।

प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए हॉस्टल एवम् लाइब्रेरी आदि सुविधाओं से जुड़ेव्यवसायी अतुला इंडोरिया वाल्मीकि ने बताया कि डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष सेनि आईएएस अधिकारी डॉक्टर बी.एल. जाटावत अल्पकाल प्रवास पर आए इस उपलक्ष पर जोधपुर जिले में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग ले रहे विद्यार्थियों को अभ्यर्थियों को मार्ग-दर्शन दिया, किस प्रकार अभ्यार्थी परीक्षाओं की तैयारी करें आदि अनेक विषयों पर विस्तार पूर्वक मार्ग-दर्शन मिला।

डॉ. जाटावत के साथ आए माली समाज के पवन सैनी ने भी समाज के लोगों को मार्ग-दर्शन दिया। अल्प समय में आयोजित स्वागत एवं संवाद कार्यक्रम में समाज की शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक एवम् राजनीतिक दिशा और दशा पर परस्पर संवाद हुआ।

समाज के विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, परीक्षार्थी एवं विद्यार्थियों के साथ नवल फिलिंग स्टेशन के संचालक सुनील जोड़, सामाजिक कार्यकर्ता नेमीचंद गुजराती, देवीचंद रील आदि ने फूल मालाओं से आत्मीयता से स्वागत किया। जोधपुर। ।

राज्य राज कर्मचारी चयन बोर्ड के पूर्व चेयरमैन डॉ. बी.एल. जाटावत अल्पकालीन प्रवास पर जोधपुर आए।अल्पसंख्यक अधिकारी, कर्मचारी महासंघ जोधपुर के जिलाध्यक्ष इकबाल अली रंगरेज ने बताया कि सर्किट हाउस में पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं, जोधपुर में महासंघ की गतिविधियों, सामाजिक सरोकार के तहत शिक्षा व चिकित्सा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की विस्तार से चर्चा की गई। इस पर मोहम्मद शाहिद, रशीद अंसारी, आरिफ रिजवी व मोहम्मद अनवर मौजूद थे।

भारत दुनिया का सबसे तेज पेमेंट सिस्टम वाला देश बना

-भारत में हर महीने 18 अरब लेनदेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिजिटल पेमेंट्स में भारत सबसे आगे निकल गया है। जी हां, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने भी माना यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) को बड़े पैमाने पर अपनाने के कारण भारत दुनिया का सबसे तेज पेमेंट सिस्टम वाला देश बन गया है।

भारत तेज भुगतान में बना ग्लोबल लीडर

हाल के वर्षों में UPI ने न केवल भारत में डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा दिया, बल्कि इसे वैश्विक मंच पर एक मजबूत पहचान भी दिलाई है। यही वजह है कि भारत तेज भुगतान में ग्लोबल लीडर बन गया है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) द्वारा विकसित यह सिस्टम अपनी तेजी, सुरक्षा और सुविधा के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

भारत को कैश से कैशलैस बनाने में बड़ा योगदान

आज यह एक ऐसा डिजिटल हथियार बन चुका है जिसने भारत को कैश से कैशलैस की दिशा में दौड़ने के लिए मजबूर कर दिया। आज पैसा भेजना हो, या पाना हो, बिल भरना हो या फिर फ़ोन रिचार्ज करना हो बस मोबाइल उठाइए और कुछ ही स्टेप्स में आपका काम हो जाएगा।

यूजर्स को मिल रहा लाभ

इससे यूजर्स को यह लाभ मिला है कि अब उन्हें बैंक की लाइन, छुट्टी का झंझट और लेने-देन की उलझनों से मुक्ति मिल गई है। यूपीआई के माध्यम से अब 24×7 दिन कभी भी और कहीं भी पैसे भेजे जा सकते हैं। इसकी ख़ास बात यह भी है कि चाहे यूजर के पास कितने ही खाते क्यों न हो वह अपने सारे खातों को एक ही ऐप से जोड़ सकता है और उन पर नियंत्रण रख सकता है।

IMF की ओर से जारी नोट में इसका जिक्र

आज दुकानदार से लेकर दूधवाले तक के पास अपना क्यूआर कोड है जिसे स्कैन करके डिजिटल पेमेंट की जा सकती है। इसी ताकत पर भारत आज तेज भुगतान में ग्लोबल लीडर बन चुका है। जी हां, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की ओर से जारी किए गए नोट में इसका जिक्र भी किया गया है।

यही वजह है कि आज पूरी दुनिया में भारत के इस डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का डंका बज रहा है। पीएम मोदी ने खुद सोमवार को मानसून सत्र शुरू होने से पहले इस बात का जिक्र भी किया है।

UPI की वैश्विक उपलब्धियां

अंतरराष्ट्रीय विस्तार: UPI ने कई देशों में अपनी सेवाएँ शुरू की हैं, जिनमें संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सिंगापुर, फ्रांस, नेपाल, और श्रीलंका शामिल हैं। हाल ही में, 16 जून 2025 को NPCI ने साइप्रस के यूरोबैंक के साथ एक समझौता किया, जिससे भारतीय डायस्पोरा को क्रॉस-बॉर्डर लेनदेन में आसानी होगी।

रियल-टाइम भुगतान: UPI की रियल-टाइम पेमेंट प्रणाली ने इसे वैश्विक स्तर पर सबसे तेज भुगतान प्रणालियों में से एक बनाया है। जून 2025 में, UPI ने 18.39 अरब से अधिक लेनदेन दर्ज किए, जिनका कुल मूल्य 24 लाख करोड़ रुपये से अधिक था।

गूगल के साथ साझेदारी: जनवरी 2024 में, गूगल इंडिया और NPCI ने UPI को वैश्विक स्तर पर विस्तार देने के लिए एक समझौता किया। यह साझेदारी भारतीय यात्रियों को विदेशों में आसान और सुरक्षित भुगतान की सुविधा प्रदान करती है, साथ ही अन्य देशों में UPI-प्रेरित भुगतान प्रणालियों को विकसित करने में मदद करती है।

UPI One World: NPCI ने UPI One World वॉलेट सेवा शुरू की है, जो विदेशी पर्यटकों को भारत में UPI भुगतान करने की सुविधा देती है, जिसमें इंटरनेट कनेक्शन के बिना भी QR कोड स्कैन करके लेनदेन संभव है।

उल्लेखनीय है कि UPI ने न केवल भारत में डिजिटल भुगतान को लोकतांत्रिक बनाया, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर एक मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने UPI को विश्व की सबसे उन्नत तीव्र भुगतान प्रणाली के रूप में सराहा है। इसकी वैश्विक स्वीकार्यता, नवाचार और उपयोगकर्ता-केंद्रित दृष्टिकोण इसे एक सच्चा "बदलाव का बादशाह" बनाते हैं। जैसे-जैसे UPI नए देशों और बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है, यह न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है, बल्कि वैश्विक डिजिटल भुगतान परिदृश्य को भी नया आकार दे रहा है।

बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाना यूपी सरकार की प्राथमिकता

-स्वास्थ्य केंद्रों पर बनाए गए ओरआरएस और जिंक कार्नर

यूपी (एजेंसी)। शून्य से पांच साल तक के बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाना उत्तर प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। इसके लिए पूरे प्रदेश में 'डायरिया रोको' अभियान (स्टॉप डायरिया कैम्पेन) चलाया जा रहा है। 31 जुलाई तक चलने वाले अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से डायरिया के प्रति जन जागरूकता की अलख जगाई जा रही है।

डायरिया से बचाव, कारण, रोकथाम व उपचार से जुड़े संदेशों वाले पोस्टर-बैनर व आडियो/वीडियो से सुसज्जित वाहन गली-मोहल्लों में पहुंच रहे हैं और लोगों को जागरूक बना रहे हैं। स्कूली बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर जागरूकता के संदेश जन-जन तक पहुंचाए जा रहे हैं। दीवार लेखन और सार्वजनिक स्थलों पर ओआरएस- जिंक कार्नर बनाए गए हैं, निजी अस्पतालों को भी इस अभियान से जोड़ा गया है।

यूपी सरकार द्वारा डायरिया के प्रति समुदाय स्तर पर जनजागरूकता बढ़ाने, लोगों को ओआरएस और जिंक की महत्ता को भली भांति समझाने के लिए पूरे प्रदेश में वृहद स्तर पर चलाए जा रहे स्टॉप डायरिया कैंपेन की इस साल की थीम- 'डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान' तय की गई है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। इसके तहत जिलों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिसमें विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाएं भी स्वास्थ्य विभाग के सहयोग में जुटी हैं। पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू ने स्टॉप डायरिया कैम्पेन में सहयोग के लिए 'डायरिया से डर नहीं' जैसा कार्यक्रम संचालित कर एक अनूठी पहल की है।

सीएम योगी के निर्देश पर पीएसआई इंडिया पहले चरण में प्रदेश के सात जिलों फिरोजाबाद, मथुरा, मुरादाबाद, बदायूं, उन्नाव, गोंडा और श्रावस्ती में शुरू की गई है। इसके तहत स्वास्थ्य केंद्रों पर ओआरएस और जिंक कार्नर बनाए गए हैं, निजी अस्पतालों का भी इसमें सहयोग लिया जा रहा है और उनसे क्लिनिक में ओआरएस कार्नर बनाने व डायरिया केस की रिपोर्टिंग की अपील की जा रही है। प्रचार वाहन भी समुदाय के बीच पहुंचकर लोगों को डायरिया के लक्षण, कारण और बचाव आदि के बारे में जागरूक कर रहे हैं।

आपको बता दें, सार्वजनिक स्थलों जैसे- बस स्टॉप, रेलवे स्टेशन आदि पर ओआरएस कार्नर बनाए गए हैं और जगह-जगह हस्ताक्षर अभियान भी चलाए जा रहे हैं। सार्वजनिक स्थलों और स्वास्थ्य केंद्रों पर दीवार लेखन के माध्यम से भी जन-जन को जागरूक किया जा रहा है कि डायरिया से डरने की नहीं, बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है और डायरिया होने पर बच्चे को जल्द से जल्द ओआरएस का घोल और जिंक का टेबलेट देना है। फ्रंट लाइन वर्कर का अभिमुखीकरण भी किया गया है ताकि वह लोगों को अच्छी तरह से परामर्श प्रदान कर सकें।

वहीं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि डायरिया आज भी देश में खास तौर पर कमजोर आबादी और पांच साल से कम आयु वर्ग के बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में मौजूद है। यह बीमारी और मृत्यु दर के प्रमुख कारणों में से एक बना हुआ है। रोकथाम ही दस्त प्रबंधन की कुंजी है। डायरिया के रोकथाम के लिए मुख्य गतिविधियों में सुरक्षित पेयजल तक पहुंच, बेहतर स्वच्छता, साबुन-पानी से अच्छी तरह से हाथ धोना, पर्याप्त पोषण जिसमें केवल स्तनपान और पूरक आहार शामिल हों , इसके अलावा समय पर बच्चे का टीकाकरण भी कराना शामिल है। इसके साथ ही ओआरएस और जिंक के साथ प्राथमिक उपचार शीघ्र स्वस्थ होने और निवारक उपायों के माध्यम से मृत्यु से बचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, 3-A, डी एल टावर, विद्या आश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।

संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com